हिन्दी

कक्षा 1

सत्र 2019–20

DIKSHA एप कैसे डाउनलोड करें?

विकल्प 1 : अपने मोबाइल ब्राउज़र पर diksha.gov.in/app टाइप करें।

विकल्प 2 : Google Play Store में DIKSHA NCTE ढूंढ़े एवं डाउनलोड बटन पर tap करें।

DIKSHA

मोबाइल पर QR कोड का उपयोग कर डिजिटल विषय वस्तु कैसे प्राप्त करें ?

DIKSHA App को लॉच करे → App की समस्त अनुमति को स्वीकार करें → उपयोगकर्ता Profile का चयन करें।

1 पाठ्यपुस्तक में QR Code को Scan करने के लिए मोबाइल में QR Code tap करें।

2 मोबाईल को QR Code पर केन्द्रित करें।

3 सफल Scan के पश्चात् QR Code से लिंक की गई सूची उपलब्ध होगी।

डेस्कटॉप पर QR Code का उपयोग कर डिजिटल विषय–वस्तु तक कैसे पहुँचे ?

1 QR Code के नीचे 6 अंक का Alpha Numeric Code दिया गया है।

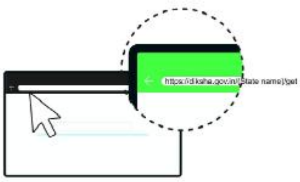

2 ब्राउज़र में diksha. gov.in/cg टाईप करें।

3 सर्च बार पर 6 डिजिट का QR CODE टाईप करें।

4 प्राप्त विषय–वस्तु की सूची से चाही गई विषय–वस्तु पर क्लिक करें।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर

निःशुल्क वितरण हेतु

© राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर

2RTLXH

प्रकाशन वर्ष – 2019

मार्गदर्शक

संचालक

एस. सी. ई. आर. टी. छ. ग., रायपुर

सहयोग

प्रो. रमाकांत अग्निहोत्री (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ. हृदयकांत दीवान (विद्या भवन, उदयपुर)

श्री रोहित धनकर (दिगंतर, जयपुर)

कार्यक्रम समन्वयक

डॉ. विद्यावती चन्द्राकर

समन्वयक

डॉ. आर.के. वर्मा

संपादक

श्री राजेन्द्र पाण्डेय, स्व. डॉ. सी.एल. मिश्रा, डॉ. विद्यावती चन्द्राकर, श्रीमती विद्या डांगे

लेखन–समूह

श्री राजेन्द्र पाण्डेय, श्रीमती सुधा खरे, श्री अनूप नाथ योगी, श्री सच्चिदानंद शास्त्री, श्री दुर्गेश वैष्णव, श्री छलिया वैष्णव, श्री शोभा शंकर नागदा, श्री रमेश शर्मा, श्री दिनेश गौतम, श्री विनय शरण सिंह, डॉ. राजेश शर्मा, रीता श्रीवास्तव, द्रोण साहू, पुष्पा शुक्ला, राजपाल कौर, लक्ष्मी सोनी, श्रीदेवी, मनोज चंद्राकर, मनोज साहू, खोजन दास डिंडौरी

चित्रांकन

राजेन्द्र सिंह ठाकुर, रेखराज चौरागड़े, सुश्री अनीता वर्मा, मो. इकराम, श्री राजेश सेन

आवरण एवं ले आउट डिजाइनिंग

रेखराज चौरागड़े

प्रकाशक

छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम, रायपुर (छ.ग.)

मुद्रक

मुद्रित पुस्तकों की संख्या – ....

आमुख

छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के साथ ही यह आवश्यक हो गया था कि नवगठित राज्य के संदर्भ में शिक्षा के सरोकारों का पुनः निर्धारण किया जाए। आवश्यकता अनुसार पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तकों का नवीनीकरण किया जाए। प्रदेश की इसी आवश्यकता को ध्यान में रखकर सत्र 2003–04 में नई शिक्षा योजना के साथ नई पाठ्यपुस्तकों के सृजन का कार्य प्रारम्भ किया गया।

राष्ट्रीय शिक्षा आयोग और मानव अधिकार आयोग प्राथमिक कक्षाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों के बच्चों के बस्ते में बोझ से चिंतित है। छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग भी इस चिंता को दूर करने के लिए प्रयासरत था। अंततः इस वर्ष उसकी पहल पर पाठ्यपुस्तकों के निर्माण की एक नई प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। शासन द्वारा लिए गए निर्णय के फलस्वरूप इस वर्ष कक्षा पहली और दूसरी के बच्चों के लिए हिन्दी, गणित और सामान्य अंग्रेजी की पृथक–पृथक पुस्तक होगी। इन पुस्तकों में वर्कबुक समावेशित है, अतः इन कक्षाओं के लिए पृथक से वर्कबुक बनाने की आवश्यकता अनुभव नहीं की गई।

पाठ्यपुस्तक के विकास में बच्चों की अभिरुचियों को ध्यान में रखकर सीखने की गतिविधियों का सृजन एवं रिमझिम–1 एन.सी.आर.टी. हिन्दी की पाठ्यपुस्तक के कुछ पाठों का चयन किया गया है। विद्यालयों की परिस्थितियों व सीखने के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए समूह अधिगम एवं स्व अधिगम पर बल देने का प्रयास किया गया है। इसके साथ ही पर्यावरणीय संचेतना, लिंग संचेतना आदि पहलुओं को ध्यान में रखकर पाठ्यपुस्तक संयोजित की गई है। पाठों में दी गई पाठ्यसामग्री एवं अभ्यास कार्य, भाषा शिक्षण की नवीन अवधारणाओं एवं लर्निंग आउटकम्स पर आधारित हैं। हम आशा करते हैं कि शिक्षक इस पाठ्यपुस्तक का प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकेंगे।

अध्ययन–अध्यापन की प्रक्रिया रोचक और संपूर्ण कैसे बने इस पर सतत् प्रयास हो रहे हैं। यह पुस्तक भी इसी दिशा में एक कदम है।

इस पुस्तक की रचना शिक्षण के प्रति वैकल्पिक दृष्टिकोण उत्पन्न करने के उद्देश्य को सामने रखकर की गई है। इस पुस्तक में, आसपास होने वाली सहज क्रियाओं में भी भाषा के गणित के रूप को देखा जाएगा। इन क्रियाओं को रोचक गतिविधियों के साथ स्वयं करते हुए जब बच्चे आगे बढ़ेंगे तो अवश्य ही उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

इस पुस्तक में हर अवधारणा की शुरूआत संदर्भ से की गई है। बच्चे पहले से जितना जानते हैं उसका उपयोग उनके सीखने में हो, और वे अपने अनुभवों में कुछ नया जोड़ते चलें, फिर नई परिस्थितियों में उसका प्रयोग करें और धीरे–धीरे सीखते चलें, सीखने की इस प्रक्रिया को इस पुस्तक का आधार बनाया गया है। कक्षा 1 में यह अपेक्षा है कि कक्षा में बच्चे की भाषा का उपयोग हो, जिससे उसे अवधारणाओं को अपने भाषायी ढाँचे के साथ जोड़ने का अवसर मिले।

स्कूल शिक्षा विभाग एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, छ.ग. द्वारा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में दक्षता संवर्धन हेतु अतिरिक्त पाठ्य संसाधन उपलब्ध कराने की दृष्टि से Energized Text Books एक अभिनव प्रयास है, जिसे ऑन लाईन एवं ऑफ लाईन (डाउनलोड करने के उपरांत) उपयोग किया जा सकता है। ETBs का प्रमुख उद्देश्य पाठ्यवस्तु के अतिरिक्त ऑडियो–वीडियो, एनीमेशन फॉरमेट में अधिगम सामग्री, संबंधित अभ्यास, प्रश्न एवं शिक्षकों के लिए संदर्भ सामग्री प्रदान करना है।

इस पुस्तक को तैयार करते समय शिक्षकों, शिक्षक–प्रशिक्षकों तथा शिक्षा क्षेत्र से सक्रिय रूप से जुड़े अनेक विद्वानों का सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है। फिर भी सुधार करने और नया जोड़ने की संभावनाएँ तो हमेशा ही रहेंगी। इसलिए यह पुस्तक जिनके भी हाथ में है उनसे अनुरोध है कि इसे बच्चों के लिए और बेहतर बनाने के लिए अपने महत्त्वपूर्ण सुझाव परिषद् को अवश्य भेजें।

संचालक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

छत्तीसगढ़, रायपुर

शिक्षकों व पालकों के लिए सुझाव

कक्षा पहली की पाठ्यपुस्तक के शुरू में बाल–गीत दिए गए हैं। इनका उपयोग कक्षा में हाव–भाव के साथ गाने के लिए किया जाना है और पढ़ने की शुरूआत के लिए भी। बच्चे बालगीत व बाद में कविताओं को भी कक्षा में सुनाएँ व गाएँ। यह अच्छा होगा कि यदि इस तरह के अन्य गीत भी कक्षा में गाए जाएँ व उनमें बार–बार आनेवाले कुछ वाक्यों को बोर्ड पर लिखा जाए। चित्रों पर बच्चे आपस में चर्चा करें व बताएँ कि उनमें क्या देख पा रहे हैं।

इन गीतों व पुस्तक के अन्य पाठों की सामग्री का उपयोग बच्चों के लिए पढ़ना सीखने के अभ्यास के रूप में करें। बच्चे बताए गए शब्दों को पहचान कर उन्हें पट्टी पर लिखें, उन पर गोला लगाएँ या उन्हें रेखांकित करें। वे सुनाई गई अथवा बोर्ड पर लिखी पाठ की लाइन को पहचानें व उसे सुनाएँ। समूहों में भी वह पाठ में शब्दों को एक–दूसरे को पहचानने को कहें। इस तरह के कई अभ्यास बच्चे खुद करें।

इनके अलावा वर्ण पहचानने व उन पर गोला लगवाने के अभ्यास भी करवाएँ। पढ़ना सीखने के लिए पाठ्य सामग्री चाहे वह पुस्तक में हो अथवा श्याम पट्ट पर इंगित हिस्से यथा–वाक्य, शब्द अथवा वर्ण को पहचानने का अभ्यास बच्चे करें।

कक्षा एक में हिन्दी भाषा के मुख्य उद्देश्य हैं :

1. बच्चों में खुलकर विचार व्यक्त करने की हिम्मत व क्षमता विकसित करना। इसके लिए उन्हें कविता / गीत गाने व उसके साथ हाव–भाव करने के अलावा कहानी सुनने–सुनाने के मौके चाहिए। वे अपने बारे में, अपने अनुभव के बारे में कक्षा में अपने विचार व भावनाएँ व्यक्त करें। वे पाठ सामग्री के बारे में भी अपने विचार व्यक्त करें और यह भी व्यक्त करें कि उन्हें पाठ से क्या समझ में आया है। ऐसा वे बड़े समूह में भी करें व छोटे समूह में भी।
2. दूसरा प्रमुख बिन्दु है बात समझना, अपनी समझ को गहरा बनाना और विश्लेषण करके नए विचार पैदा करना। इसके लिए कई चीजें करवा सकते हैं। जिनमें से एक हिस्सा बिन्दु क्रमांक 1 में है। इसके अलावा सामग्री को अपने शब्दों में प्रस्तुत करना, अभिनय द्वारा समूह में प्रस्तुत करना जैसे अन्य कईं तरीके हो सकते हैं। इसलिए भाषा की समझ को बेहतर करने के साथ–साथ स्कूल व कक्षा से भय हटाने के लिए बाल–गीतों व अन्य पाठों को भी बच्चों से कक्षा में हाव–भाव व अभिनय द्वारा प्रस्तुत करवाएँ।
3. तीसरा प्रमुख उद्देश्य है पढ़ना सीखना व उसका अभ्यास करना। इसके लिए कई तरह के अभ्यास जिनमें वाक्य, शब्द व वर्ण पहचानना तीनों शामिल हैं, करवाएँ। इसके भी कई तरीके हो सकते हैं। वर्ण मात्र पढ़वाने पर ज़ोर देने से पढ़ना सीखना आसान नहीं होता। बच्चों को अर्थपूर्ण सामग्री को पढ़ने के अधिक–से–अधिक मौके चाहिए। सीखते समय बच्चे कई ढंग इस्तेमाल करते हैं; गलतियाँ भी करते हैं; यही धीरे–धीरे उसे ध्वनि व लिपि में सम्बन्ध जोड़ कर पढ़ने में सक्षम बनाती हैं।

अब इनको किताब के संदर्भ में देखें :

(क) उदाहरण के लिए बालगीत 3 "चूहो! म्याऊँ सो रही है" को ले–

1. शिक्षक इस गीत हाव–भाव के साथ कई बार सुनाये फिर बच्चों को पृथक–पृथक एवं सामूहिक रूप से अभिनय के साथ गाने के लिए कहें।
2. बच्चों से यह पूछा जाए कि कविता में चूहे और बिल्ली के बारे में क्या–क्या बताया गया है।
3. चूहों और बिल्ली से संबंधित चर्चा कर उनके अनुभव पूछे।
4. कविता में दिए गए मूर्त शब्दों के कार्ड बना कर रखे जाएँ और बच्चे छोटे समूह में या अकेले–अकेले

एक – कार्ड उठाएँ और उस पर लिखे नाम को पहचान कर लिखने कहे।

5. इस बालगीत को श्याम–पट्ट पर लिखें और अँगुली रख–रख कर पढ़ें। फिर बच्चों से भी अँगुली रख–रखकर गाने को कहें।

6. श्यामपट्ट पर लिखी व किताब में से बच्चों को बोले गए वाक्य अथवा शब्द को पहचानने को कहें। यह स्पष्ट है कि यहाँ हम वर्णों की पहचान से पहले लिखे हुए पूरे शब्द के आकार को पहचानने (पढ़ने) की बात कर रहे हैं।

इसी प्रकार सभी बाल–गीतों के साथ करें। प्रत्येक को कई बार साथ गाने के बाद इसी तरह के अभ्यास करवाएँ।

(ख) पाठ 5 गमला शीर्षक से है।

1. इस पाठ की सामग्री में अंतिम ध्वनि एक–सी होने से इसे गाया जा सकता है। इस तरह की सामग्री लगभग सभी पाठों में है। इस पाठ व अन्य पाठों को आप दो–तीन बार अलग–अलग समय उपयोग करें। शुरू में इसे सिर्फ गाया जाए और इसमें दिए शब्दों व उसमें आए वर्णों पर विशेष जोर दिया जाए (जिनके चित्र बने हुए हैं। चित्र के पास संबंधित शब्द लिखा गया है। इन शब्दों का उच्चारण करते समय जो ध्वनियाँ निकलती हैं उन्हें अलग–अलग करके डिब्बों में लिखा गया है। ध्वनियों के माध्यम से वर्णों का परिचय कराएँ।)। इनमें से कुछ शब्द अन्य शब्दों के साथ मिलाकर श्यामपट्ट पर लिखें व बच्चों से किसी विशेष शब्द को पहचानने को कहें। इसी तरह किसी विशेष वर्ण, जैसे ग, म, न, र पर गोला लगवाएँ।

2. इसके बाद उन्हें इनमें से कुछ वर्ण पहचानने व लिखने का अभ्यास पाठ में दिए सुझावों के अनुसार करवाएँ। किताब में दिए गए अभ्यास उदाहरण स्वरूप हैं, यह पर्याप्त नहीं है। आप पट्टी पर, कॉपी में, धूल पर या और कहीं लिखने के अभ्यास करवाएँ। इसी तरह श्याम पट्ट पर शब्द लिख कर उनमें बताए गए वर्ण को ढूँढने का प्रयास करवाएँ।

3. चार–पाँच पाठ करवाने के बाद वापस बाल–गीतों पर आएँ। अब बच्चों से शब्द व वाक्य लिखवाने का अभ्यास करवाएँ। इसके अलावा अब इनमें आए शब्दों व वर्णों को पहचानने का अभ्यास करवाएँ। किताब के सभी शब्दों के कार्ड बना कर उनमें से निश्चित शब्द छाँटने को दें। फिर उनसे निश्चित वर्ण यथा ग, म, न, र, आदि वाले कार्डों को भी छँटवाएँ।

4. दूसरे चक्र में इन वर्णों से नए शब्द सोचने का अभ्यास बच्चों को करवाएँ। इसके लिए बच्चों को समूह में बाँटकर हर समूह को बारी–बारी से चुने गए वर्ण वाले शब्द को बोलना है। जोश दिलाने के लिए इस पर अंक रख कर खेल भी बना सकते हैं। बच्चों को प्रोत्साहित करने का प्रयास करें जिससे सभी को मौका मिले न कि कुछेक बच्चे ही समूह की ओर से बार–बार बताते रहें।

5. इस समय बच्चों से वाक्य, शब्द, वर्ण लिखने व पहचानने का अभ्यास करवाना होगा।

6. कुल मिलाकर बात यह है कि पाठ्य सामग्री का उपयोग बच्चों को सक्षम बनाने के लिए करें। पाठ्यसामग्री समझाने, प्रश्नों के उत्तर याद करवाने से भाषा में क्षमता नहीं बढ़ती। इसलिए आप पाठों का उपयोग 2–3 या अधिक बार कई तरह के अभ्यास करवाने के लिए करें।

संचालक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
छत्तीसगढ़, रायपुर

विषय–सूची

अध्याय	पाठ का नाम	पृष्ठ क्र.
	• चित्र पर चर्चा	i-vi
1.	आम की टोकरी	01–01
2.	चार चने	02–03
3.	चूहो! म्याऊँ सो रही है	04–07
4.	पगड़ी	08–11
5.	गमला	12–19
6.	अनार	20–26
7.	राजा आ	27–30
8.	इमली–ईख	31–36
9.	तितली	37–41
10.	उल्लू आया	42–45
11.	लालू और पीलू	46–54
12.	बंदर आया	55–61
13.	मेला	62–67
14.	ओढ़नी	68–70
15.	खिलौनेवाला	71–75
16.	झंडा	76–81
17.	बंदर और गिलहरी	82–86
18.	हलीम चला चाँद पर	87–91
19.	दौड़	92–95
20.	इनको भी जानो	96–105
	परिशिष्ट–विभिन्न भाषाओं में शब्दावली	106–108

28DI6V

यह पुस्तक मेरी है।

टीप :– कुछ पाठों में विभिन्न भाषाओं के भी उल्लेख हैं। शिक्षक अपने क्षेत्र विशेष की भाषा के लिए स्थानीय समुदाय का सहयोग लेवें।

FUN WITH
THE ALPHABET
हिन्दी वर्णमाला चार्ट

इस चित्र के बारे में बच्चों से चर्चा करें।

गतिविधि – 1

नाम

मेरा नाम ....है।

मेरा दोस्त/सहेली का नाम ....है।

शिक्षक निर्देश :– शिक्षक बच्चों के नाम चार्ट बनाकर कक्षा में लायें और बच्चों को उनके नाम के लिखित रूप से परिचय कराएँ तत्पश्चात बच्चों को चार्ट में से अपना नाम ढूँढ़कर अपनी किताब में लिखने को कहें।

गतिविधि – 2

उन चीजों के चित्र बनाओ जो तुम्हारी कक्षा/आसपास में हैं, जैसे–

चित्र बनाओ

निर्देश :– बच्चे अपनी मनपसंद आकृति यहाँ बनाएँ।

रंगोली बनाओ

निर्देश :– बच्चे बिन्दु डालकर मनपसंद रंगोली बनाकर रंग भरे।

पाठ–1

आम की टोकरी

छह साल की छोकरी,
भरकर लाई टोकरी।
टोकरी में आम हैं,
नहीं बताती दाम है।
दिखा–दिखाकर टोकरी,
हमें बुलाती छोकरी।
हमको देती आम है,
नहीं बताती नाम है।
नाम नहीं अब पूछना,
हमें आम है चूसना।

1. बच्चों से बातचीत करें – क्या तुम किसी ऐसे बच्चे को जानते हो जो बाजार में कोई सामान बेचता है? पता लगाओ कि वह स्कूल जाता है या नहीं। यदि वह बच्ची/बच्चा स्कूल नहीं जाती/जाता है तो स्कूल में उसका नाम लिखवाने में तुम कैसे मदद करोगे।
2. चित्र में लड़की आम बेचने का अभिनय कर रही है। बच्चों से अलग–अलग चीजों जैसे – आम, नीबू, केला, गन्ना, मूँगफली,सेब और दवा की गोली खाने का अभिनय करवाएँ।
3. अभिनय के लिए कुछ और गतिविधियाँ सोचें तथा कक्षा में करवाएँ।

2966BT

पाठ–2

चार चने

पैसा पास होता तो चार चने लाते,
चार में से एक चना तोते को खिलाते।
तोते को खिलाते तो टाँय–टाँय गाता,
टाँय–टाँय गाता तो बड़ा मजा आता।

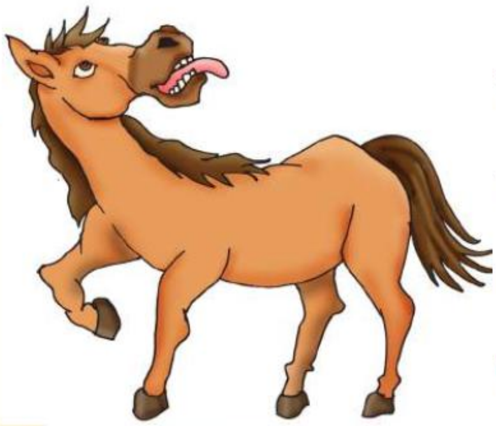

पैसा पास होता तो चार चने लाते,
चार में से एक चना घोड़े को खिलाते।
घोड़े को खिलाते तो पीठ पर बिठाता,
पीठ पर बिठाता तो बड़ा मजा आता।

पैसा पास होता तो चार चने लाते,
चार में से एक चना चूहे को खिलाते।
चूहे को खिलाते तो दाँत टूट जाता,
दाँत टूट जाता तो बड़ा मजा आता।

चार चने होते तो

चार चने देकर इनसे क्या–क्या करवाया जा सकता है?

माली – ....

हलवाई – ....

दीदी – ....

दोस्त – ....

29F2DG

किसने खाया ?

चार चने में से

एक चना ....को खिलाया।

दूसरा चना ....।

तीसरा चना ....।

एक चना बच गया, उसे किसे खिलाओगे ?

....

....

29NXF4

पाठ–3

चूहो! म्याऊँ सो रही है

घर के पीछे, छत के नीचे,
पाँव पसारे, पूँछ सँवारे।

देखो कोई, मौसी सोई,
नासों में से, साँसों में से।

घर घर घर घर हो रही है,
चूहो ! म्याऊँ सो रही है।

बिल्ली सोई, खुली रसोई,
भरे पतीले, चने रसीले।

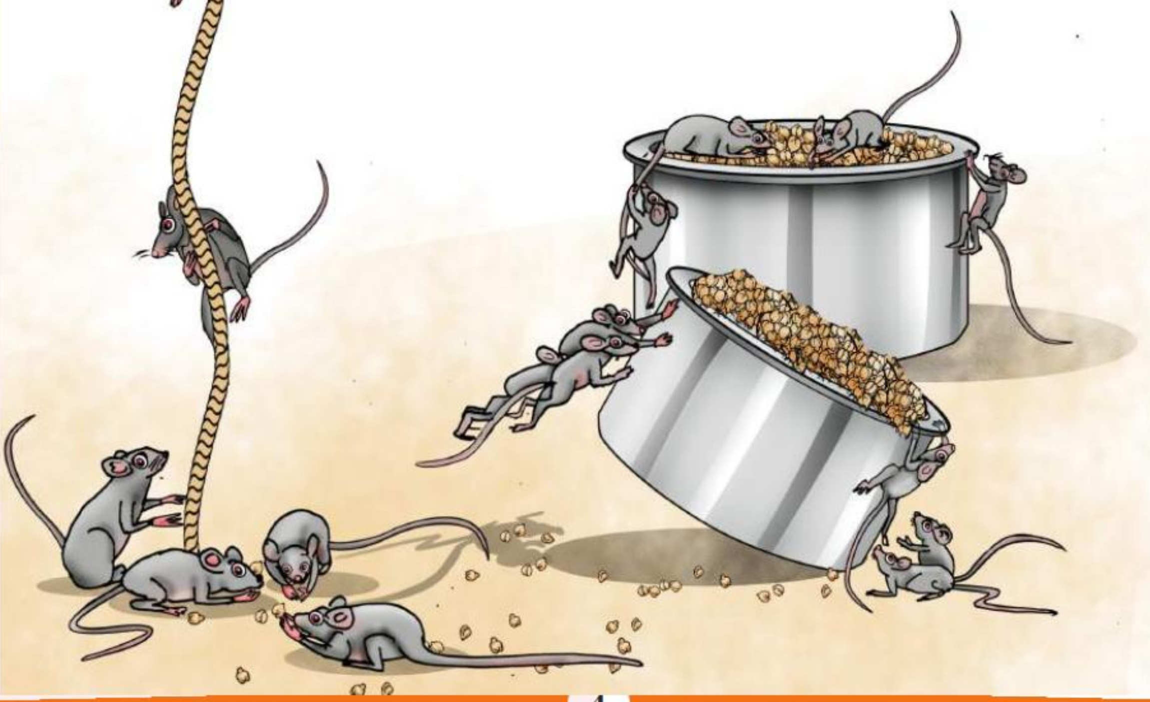

उलटो मटका, देकर झटका,
जो कुछ पाओ, चट कर जाओ।

आज हमारा दूध दही है,
चूहो ! म्याऊँ सो रही है।

मूँछ मरोड़ो, पूँछ सिकोड़ो,
नीचे उतरो, चीजें कुतरो।

आज हमारा, राज हमारा,
करो तबाही, जो मनचाही।

आज मची है, चूहा शाही,
डर कुछ भी चूहों को नहीं है,
चूहो! म्याऊँ सो रही है।

गतिविधि

1. पढ़ो –

घर के पीछे,
छत के नीचे

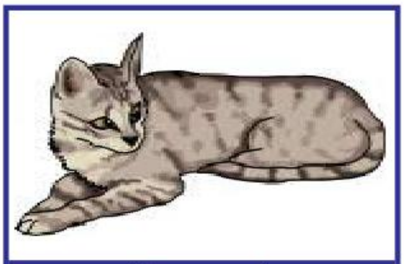

पाँव पसारे,
पूँछ सँवारे

भरे पतीले,
चने रसीले

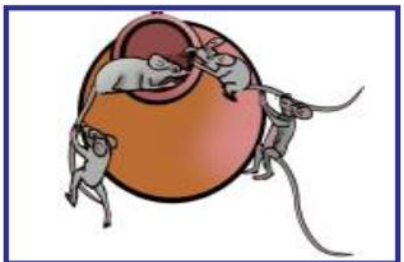

उलटा मटका,
देकर झटका

मूँछ मरोड़ो,
पूँछ सिकोड़ो

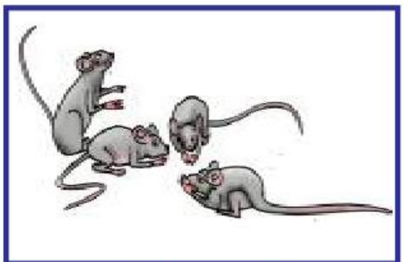

नीचे उतरो,
चीजें कुतरा

2. चलो, चूहा बनाओ

चलो, चूहा बनाएँ
तीन लिखो

1

मूँछ कान बनाओं

2

आँखें और पैर बनाओ

3

पूँछ बनाओ

4

5

29XTGR

3. तुक मिलाओ, आगे बढ़ाओ

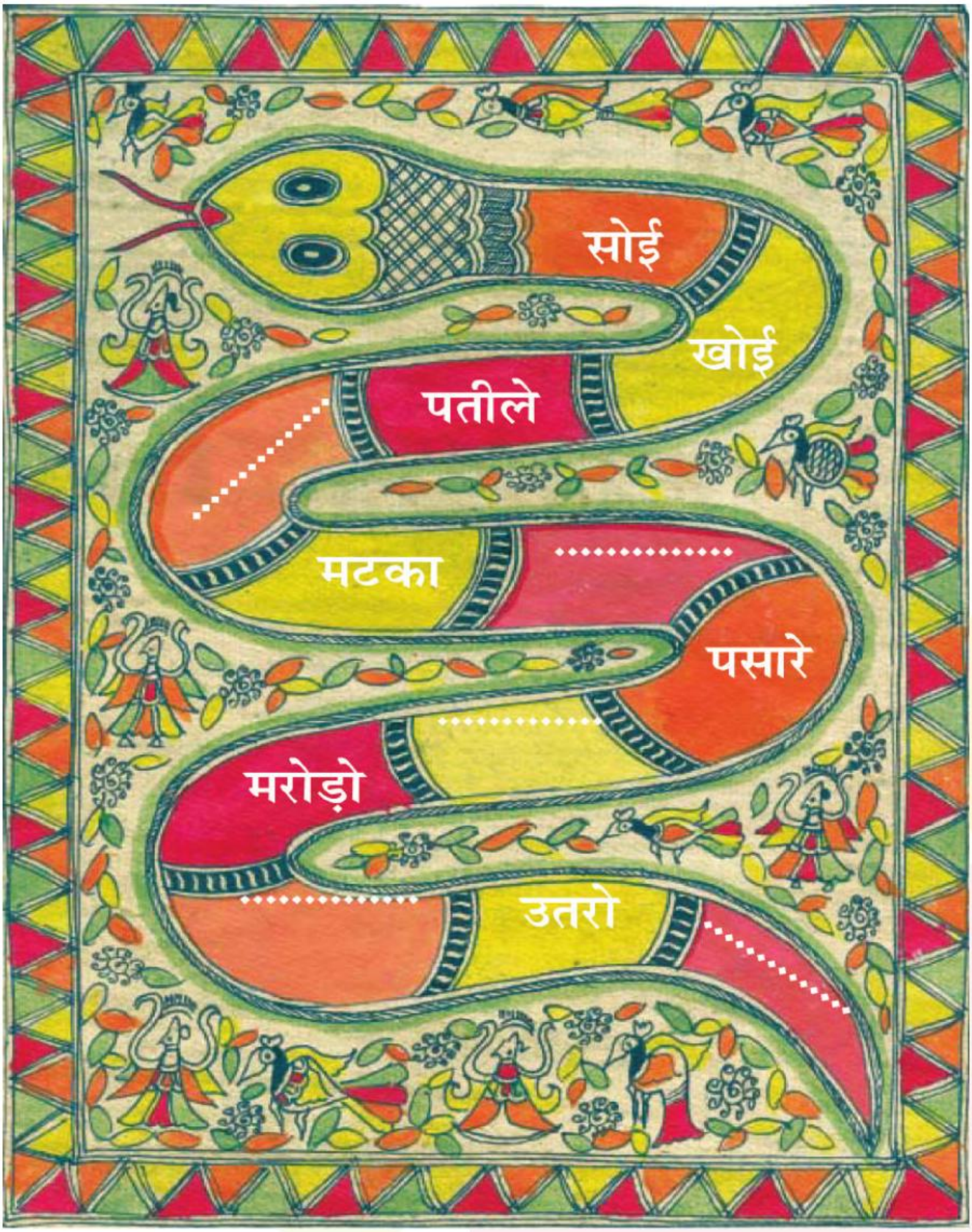

इस चित्र पर बच्चों से चर्चा करें।

पाठ–4

पगड़ी

2A7PIE

मैली पगड़ी,
इतनी रगड़ी,
इतनी रगड़ी,
इतनी रगड़ी,
इतनी रगड़ी,
रह गया मैल,
फट गई पगड़ी।

हट्‌टी–कट्‌टी,
मोटी–तगड़ी,
मलकिन झगड़ी,
इतनी झगड़ी,
इतनी झगड़ी,
इतनी झगड़ी,
इतनी झगड़ी,
तर गया मैल,
और तर गई पगड़ी।

सफाई– मालकिन ने मैली पगड़ी खूब रगड़ी। तुम इन चीजों को किससे साफ करोगे ?

1. कागज ....
2. बर्तन ....
3. पत्ते ....
4. जूते ....
5. दाँत ....

2AGKK2

पगड़ी को खूब रगड़ा तो पगड़ी फट गई। बताओ, इनको खूब रगड़ोगे तो क्या होगा ?

1. कागज ....
2. बर्तन ....
3. जूते ....
4. स्वेटर ....
5. फर्श .... चमक जाएगा ....

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें
शासकीय प्राथमिक पाठशाला

इस चित्र के बारे में बच्चों से बातचीत करें– यह स्कूल में किस समय का दृश्य है? बच्चे क्या कर रहे हैं? बच्चे कौन–कौन से खेल, खेल रहे हैं? चित्र में कितने बच्चे हैं और कितने बड़े हैं? आपस में कौन क्या बात कर रहा होगा? बच्चों से चित्र में सबके लिए नाम सोचने को कहें।

2AQGLP

पाठ–5

गमला

गमला फूलोंवाला लाओ,
अपना घर–आँगन महकाओ।

नल से पानी लेकर आओ,
पौधों की तुम प्यास बुझाओ।

मछली देखो, आओ–आओ,
रस्सी कूदो, नाचो, गाओ।

गतिविधि

1. बच्चो से बातचीत करें –

गमले कैसे कैसे –

मिट्टी का गमला

सीमेंट का गमला

प्लास्टिक का गमला

टायर का गमला

और कैसे–कैसे गमले तुमने देखे हैं, चित्र बनाओ –

2. पढ़ो –

गमला, मछली, नल, रस्सी

x

गमला

x e yk

e

मछली

e N yh

u

नल

u y

j

रस्सी

j L l h

3. रेखा खींचकर– शब्दों को चित्रों से मिलाओ –

गमला नल

रस्सी

मछली

नल

गमला

मछली रस्सी

4. पहचानो और गोल घेरा लगाओ –

ग	ग ज	ज ग	म ग र	ग ग न	अ ल ग
म	म ग	ह म	म ग न	च म न	क ल म
न	न र	म न	अ म न	न म न	व ज न
र	र स	घ र	र ब र	श ह र	ग र म

5. खाली जगह पर 'न' लिखकर शब्दों को पढ़ो –

.......हर

.......ारियल

.......ल

.......ाक

.......क्शा

.......ाखून

.......ारंगी

.......ाव

6. मटके में क्या–क्या ?

चित्रों के बीचो–बीच एक मटका बना हुआ है। तुम इस मटके में क्या क्या रख सकते हो ? निशान लगाओ।

मटर

मकड़ी

मक्खी

भुट्टा

टेबल

मटका

मोजा

मग

कार

मोर

मेंढ़क

मछली

मगर

7. पढ़ो और समझो–

नरम है रोटी, दाल गरम,
नरम है भाजी, भात गरम।
नरम है भजिया,
चाय गरम,
खाओ सब कुछ,
नरम–गरम।।

8. चित्र देखकर पढ़ो और लिखो–

मग

____

____

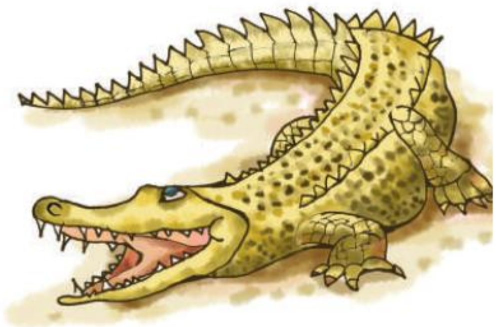

मगर

____

____

9. पढ़ो और लिखो –

नग	नगर	नर	नरम
___	_____	___	___
___	_____	___	___

10. वर्णों को जोड़ों व पढ़ो –

2AZCNC

म + न = मन

न + म = नम

म + ग = मग

ग + म = ...

न + र = ...

म + र = ...

न म न = ...

ग ग न = ...

11. शब्दों से वर्णों को अलग करो –

मग → ☐ ☐

मगर → ☐ ☐ ☐

नर → ☐ ☐

☐ → ☐ ☐ ☐

2B98PZ

पाठ–6

अनार

नानी खाए लाल अनार,
चूसे आम पका रसदार।
लड़की गाती बढ़िया गाना,
रखे सरौता सुनते नाना।
मोनू का चल रहा जहाज,
कमल खिले हैं सुन्दर आज।

गतिविधि

1. चित्र देखकर पढ़ो –

अनार, आम, कमल, जहाज, सरौता, लड़की

अ

अनार v ukj

आ

vke आम

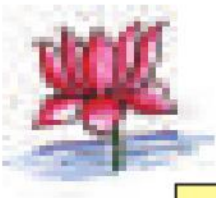

क

कमल d e y

ज

जहाज

t gkt

स

सरौता l jkSrk

ल

लड़की

y M+dh

स

सेब l sc

त

तरबूज

r j cwt

2. चित्रों को देखकर बोलो और उनकी पहली आवाज पहचानकर गोला लगाओ।

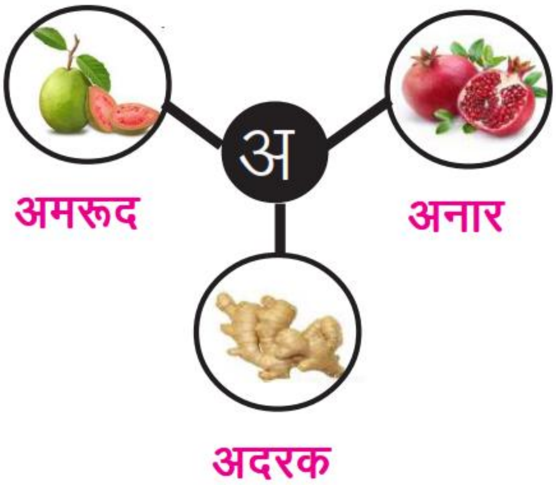

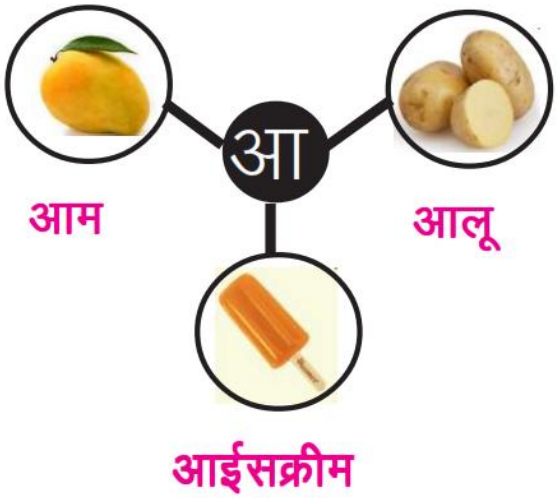

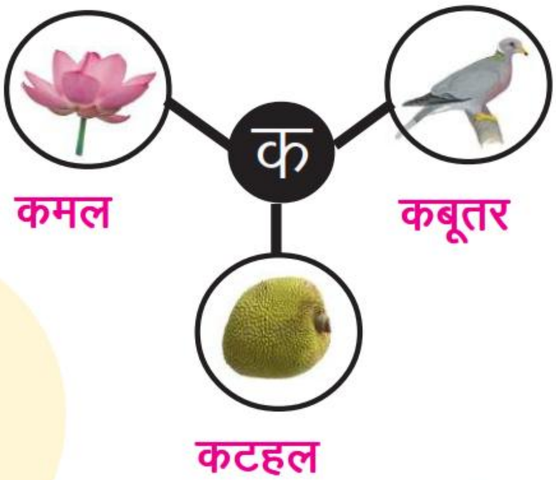

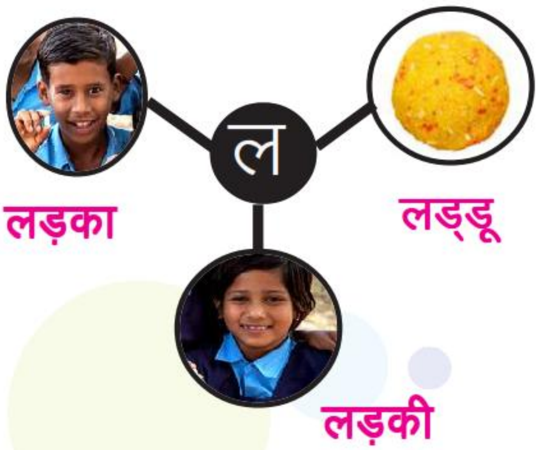

निर्देश :– शिक्षक बच्चों को इन वर्णो से शुरू होने वाले अन्य शब्दों को भी बोलने के लिए प्रेरित करें।

3. दिये गये चित्रों को देखकर उनके नाम अपने भाषा में बोलो।

अमरूद

आम

अनार

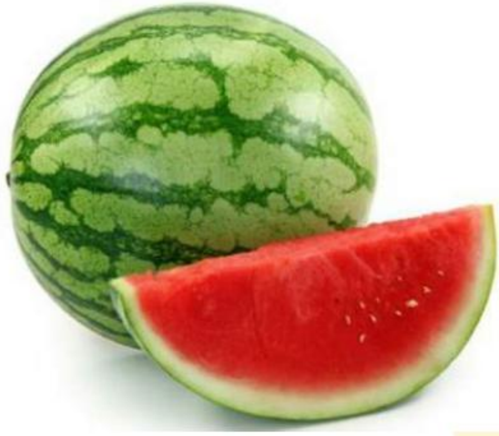

तरबूज

सेब

नारंगी

4. चित्रों से मिलान करो –

जहाज

आम

अनार

लड़की

सरौता

कमल

5. चूसकर खाने वाले फलों के चित्र पर गोला लगाओ।

6. तुक मिलाओ, आगे बढ़ो।

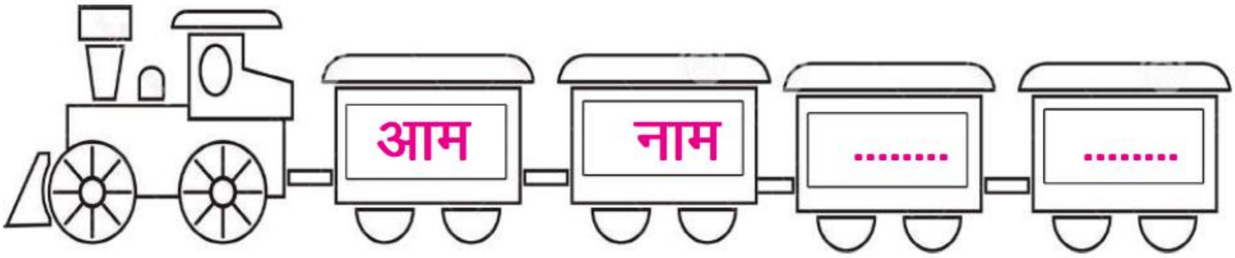

7. बिन्दु जोड़कर चित्र पूरा करो और रंग भरो–

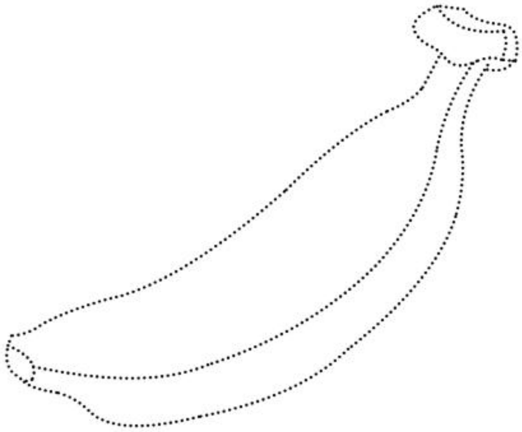

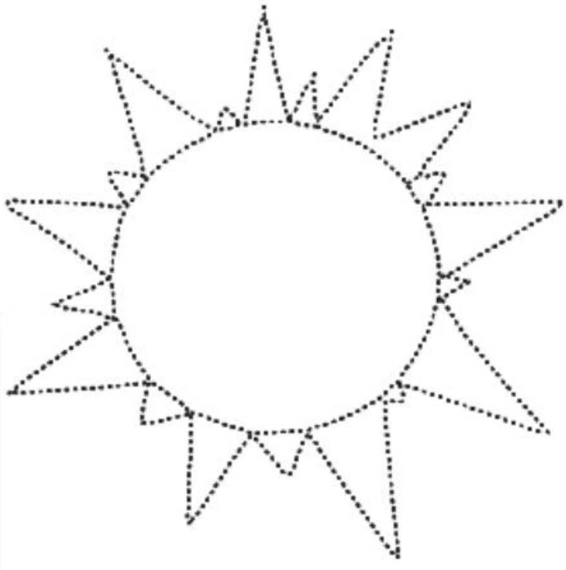

8. नीचे दी गई वस्तुओं को किस चीज से काटोगे, बताओ –

आलू

आम

कागज

नाखून

कपड़ा

धान

भिंडी

9 पढ़ो और बढ़ो – बिल्लस खेल

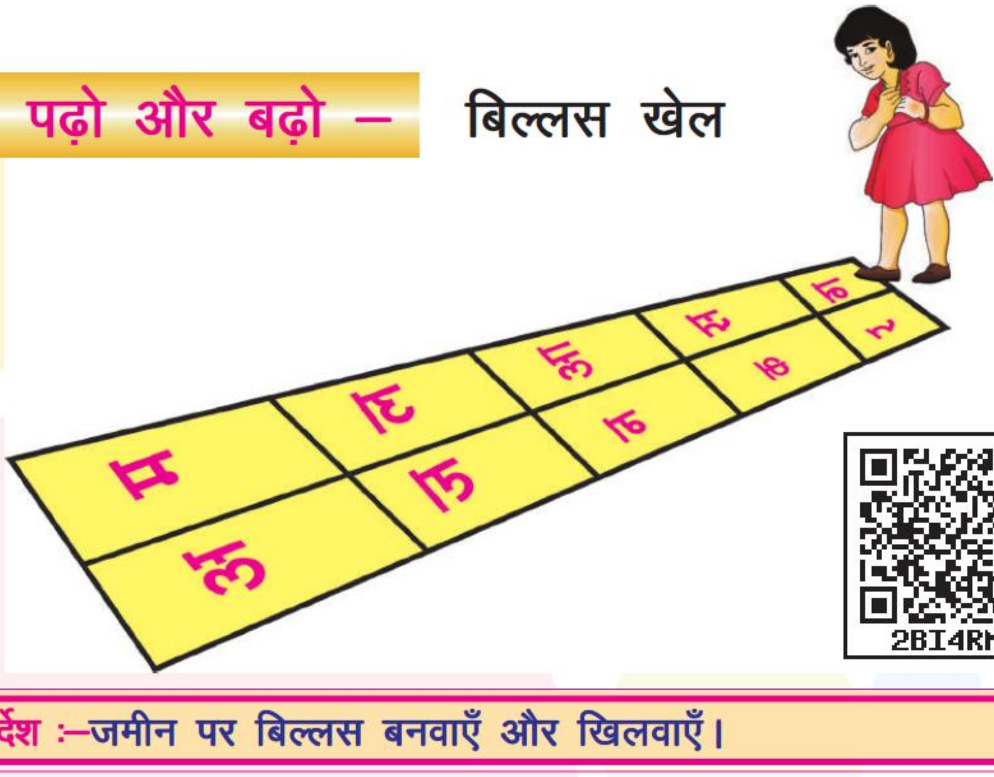

निर्देश :–जमीन पर बिल्लस बनवाएँ और खिलवाएँ।

10. आम से संबंधित कविता/कहानी सुनाओ।

पाठ–7

राजा आ

2BRZTA

आजा आ राजा

मामा ला बाजा।

कर मामा ढम–ढम

नाच राजा छम–छम।।

गतिविधि

1. चित्र देखकर पढ़ो और समझो–

नल

u y

u

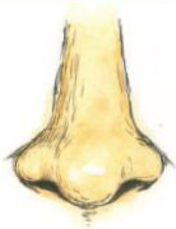

नाक

ukd

uk

कमल

d e y

कान

dku

2. पहचानो और नाम लिखो –

dk

t k

x

3. पढ़ो –

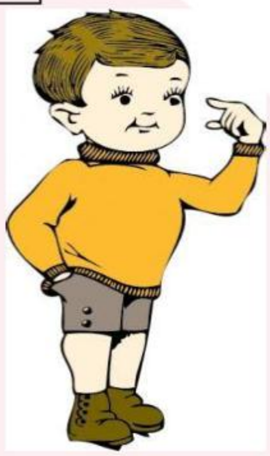

राजा आ।

काम कर।

मामा का काम कर।

आग जला।

जल गरम कर।

कल आराम करना।

नजमा आ।
अनार ला।
नाना का काम कर।
आम का रस ला।
गाना गा।

4. मिलाकर लिखो और पढ़ो –

आ म –		आम	आ ना –		आना
ना म		____	ना	____	____
का म		____	ला	____	____
रा	____	____	गा	____	____
जा	____	____	जा	____	____
का ला –		काला	ग ला –		गला
ला	____	____	म	____	____
जा	____	____	ज	____	____
ना	____	____	क	____	____
मा	____	____	ल	____	____

5. 'ा' की मात्रा जोड़कर लिखो पढ़ो –

कल –	काला	बल –	____
तल –	____	जल –	____

6. वर्ग में दिये गये वर्णो से शब्द बनाओ –

मा	ला	ता
जा	का	सा
ना	आ	गा

--------- --------- ---------

--------- --------- ---------

--------- --------- ---------

2C1VUX

पाठ–8

इमली–ईख

2CARWK

खट्टी इमली मीठी ईख
चरती बकरी वन के बीच।
चलो पपीता खाएँ हम,
तबला खूब बजाएँ हम।।

गतिविधि

1. बच्चों से बातचीत करें –

1. कुछ खट्टी चीजों के नाम बताओ।
2. कुछ मीठी चीजों के नाम बताओ।
3. तुम्हें कौन–कौन से फल पसंद हैं ?

2. पढ़ो– इमली, ईख, पपीता, वन, बकरी, तबला

b

इमली

b e yh

bZ

bZ [k

ईख

i

पपीता

i ihrk

o

o u

वन

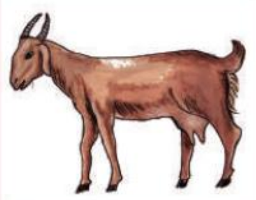

c

बकरी

c d jh

r

तबला

r c yk

3. अभिनय करो –

– तबला बजाने का।

– बकरी की आवाज का।

– बस चलाने का।

– ऐनक पहनने का।

– इमली खाने का।

4. चित्रों से शब्दों का मिलान करो –

बकरी

पपीता

तबला

वन

इमली

ईख

5. ऐसे शब्द बताओ जिसमें प,व,ब,त की आवाज हो –

6. छूटे हुए वर्णों को लिखो –

.......u ....ihrk ....[k

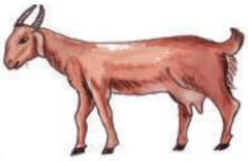

.......djh ....eyh ....cyk

7. इन चीजों को बजाकर देखो कैसी आवाजें आएगी, बताओ।

Vsy] f[kMdh] njokt k] ?kVh] rkyh] pqVdh

8. शब्द बनाकर लिखो और पढ़ो –

ck
ek
tk
yk

y

____
____
____
____

9. इन चीजों को खाने से तुम्हें कैसा लगेगा –

चीजें	खट्टा	मीठा
t ysh		
l s		
ulcw		
dsyk		
vke		
beyh		

10. अपने मनपसंद फल का चित्र बनाकर रंग भरो–

11. तुक मिलाओ आगे बढ़ाओ –

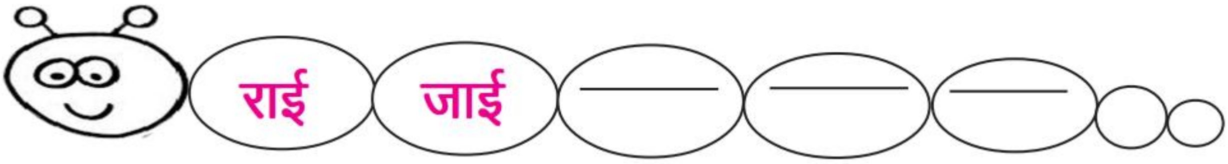

12. वर्णों को जोड़कर शब्द बनाओ –

आ	ज	प
ल	म	ई
ब	स	क
न	ग	र

....

....

....

पाठ–9

तितली

रंग–बिरंगी प्यारी तितली,
सबके मन को भाती है।
बैठ फूल पर जब रस लेती,
सबका मन ललचाती है।

गतिविधि

1. चित्र देखकर पढ़ो और समझो –

'ि' की मात्रा –

तबला

| r | c | yk |

r

तितली

| fr | r | yh |

fr

कप

| d | i |

d

किताब

| fd | rk | c |

fd

'ी' की मात्रा –

बस

| c | l |

c

बीन

| ch | u |

ch

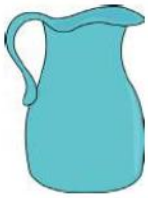

जग

t	x

t

जीभ

th	Hk

th

2. आओ शब्द बनाएँ –

गा	कि	ता	ब	जा
पा	मा	र	क	ल
न	ला	न	पी	नि
ति	आ	बा	क	प
अ	जी	भ	व	न

3. पढ़ो और समझो –

किरन जा। नल का पानी ला।
मग से पानी निकाल।
विमल गिलास ला।
पानी पिला।

नानी आ, पानी पी,
अब काम मत कर।
बस आराम कर।
रागिनी अब गाना गा।
कपिल तबला बजा।

4. आओ, शब्द बनाएँ–

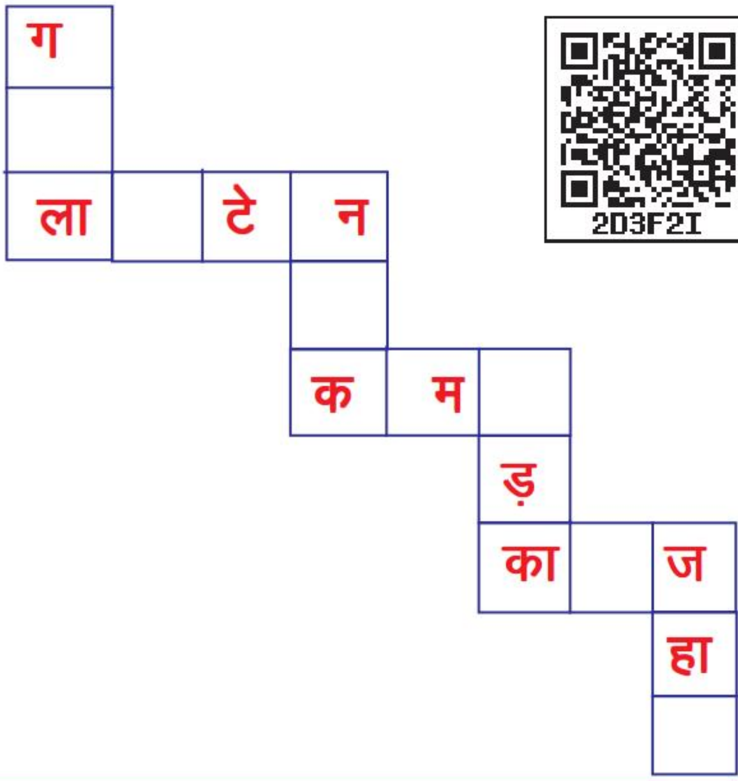

5. किरण ने मग से पानी निकाला। तुम इन चीजों से क्या करते हो?

____
____
____

____
____
____

____
____
____

____
____
____

____
____
____

पाठ–10

उल्लू आया

उल्लू आया, उल्लू आया।
एक ऊन का गोला लाया।
चरखा बोला, चूँ–चूँ–चूँ।
खरगोश बोला, कूँ–कूँ–कूँ।
देखो रंग से भरी दवात,
है किसान भी हल के साथ।

गतिविधि

1. चित्र देखकर पढ़ो और समझो –

m

उल्लू

m Y yw

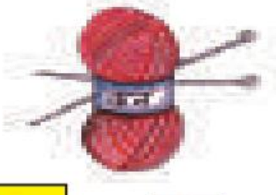

Å

ऊन

Å u

n

दवात

n dk r

g

हल

g y

p

चरखा

p j [k

[k

खरगोश

[kj xks'k

2. वर्णों को चित्रों से मिलाओ–

उ

द

च

ऊ

ख

ह

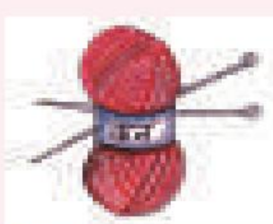

3. रेखा खींचकर वर्णों को शब्दों से मिलाओ –

उल्लू	ख
ऊन	ऊ
चरखा	द
खरगोश	ह
दवात	च
हल	उ

4. दिए गए वर्णों के आधार पर शब्द बनाओं–

उ	द	वा	त
ल्लू	च	र	खा
ख	र	गो	श
ऊ	न	ह	ल

5. बताओ, ये चीजें कैसी आवाजें करती हैं?

चीजों के नाम	आवाज
घंटी के बजनें की आवाज	टन–टन
मोटर के हार्न की आवाज	
टेबल खींचने की आवाज	
पंखे के चलने की आवाज	
दरवाजा बंद करने की आवाज	

6. बताओ, हम कौन हैं?

बिंदुओं को पूरा कर रंग भरो और बताओ हम कौन है?

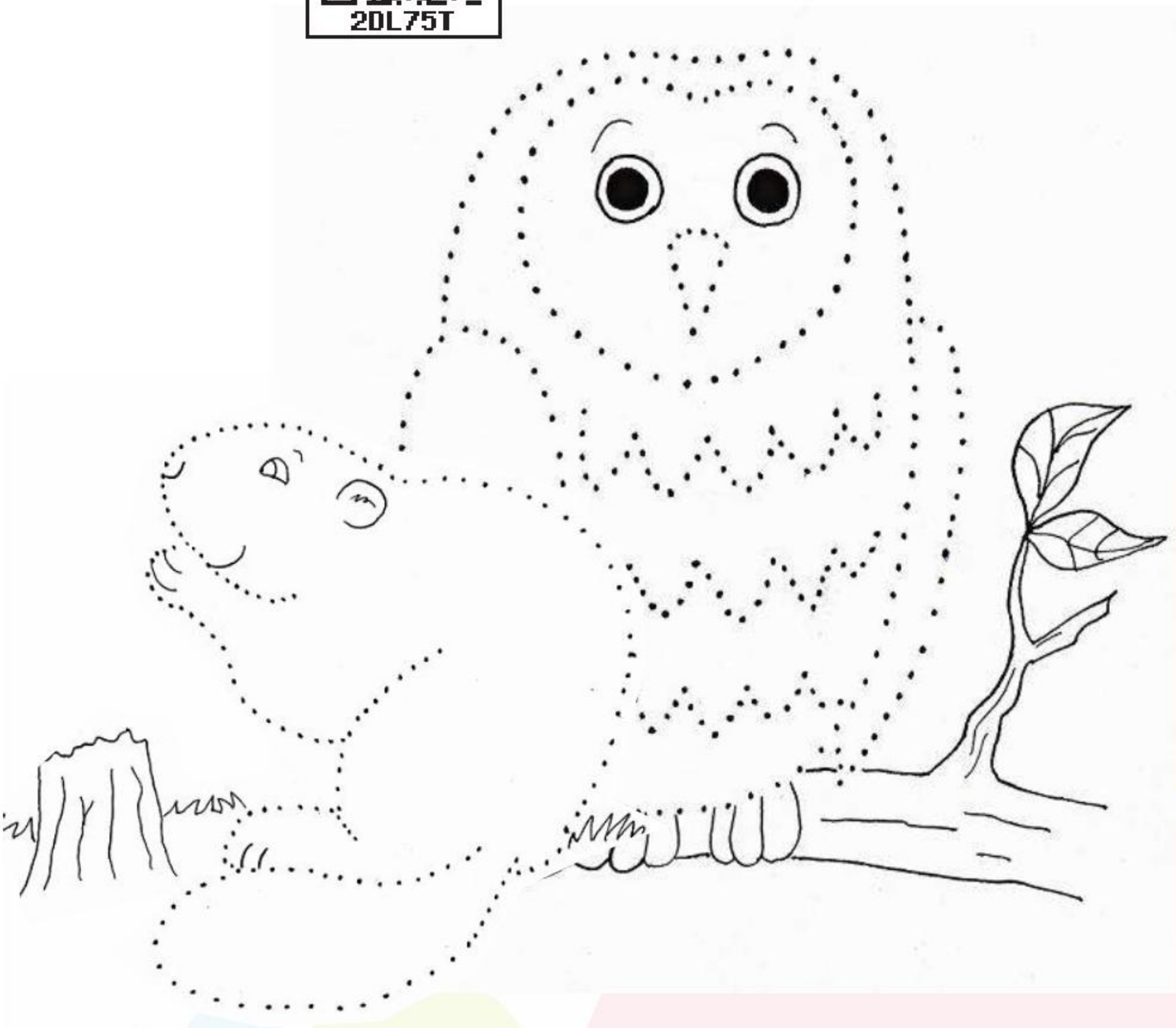

2DV37G

पाठ–11

लालू और पीलू

एक मुर्गी थी। मुर्गी के दो चूजे थे।

एक का नाम लालू। दूसरे का नाम था पीलू।

लालू लाल चीजें खाता था।

पीलू पीली चीजें खाता था।

एक दिन लालू ने एक पौधे पर कुछ लाल–लाल देखा।

लालू ने उसे खा लिया।

अरे, यह तो लाल मिर्च थी !

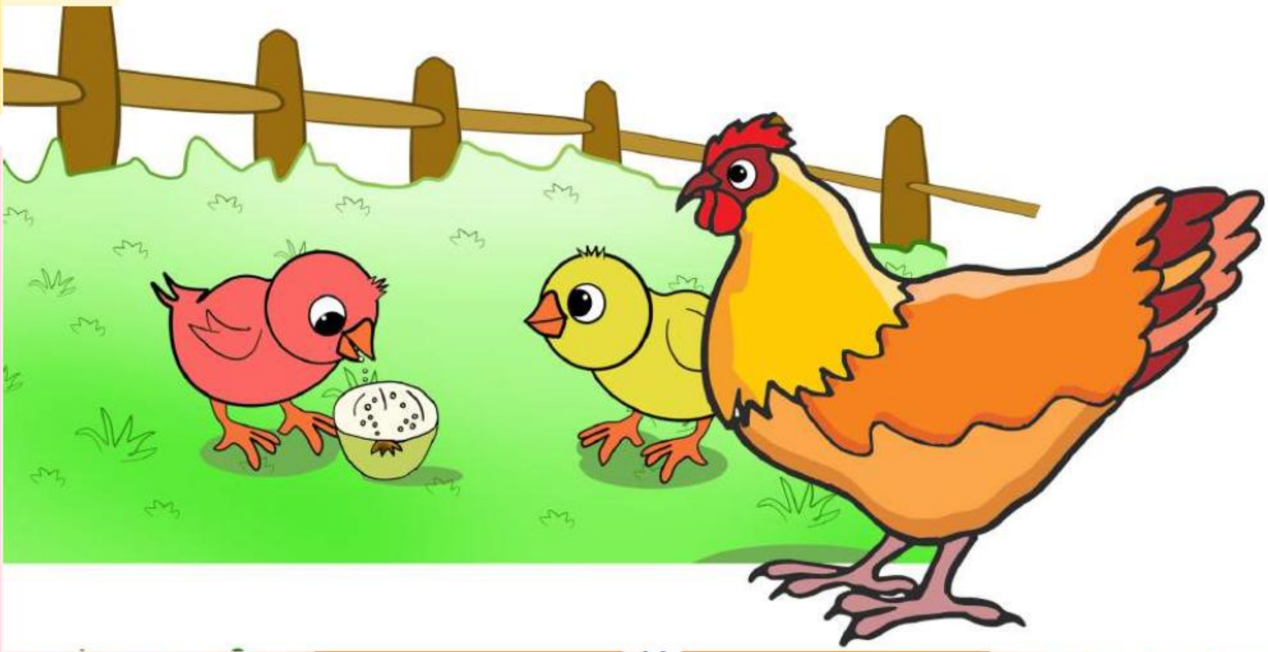

लालू की जीभ जलने लगी। वह रोने लगा।
मुर्गी दौड़ी हुई आई। पीलू भी भागा। वह पीले–पीले गुड़
का टुकड़ा ले आया।

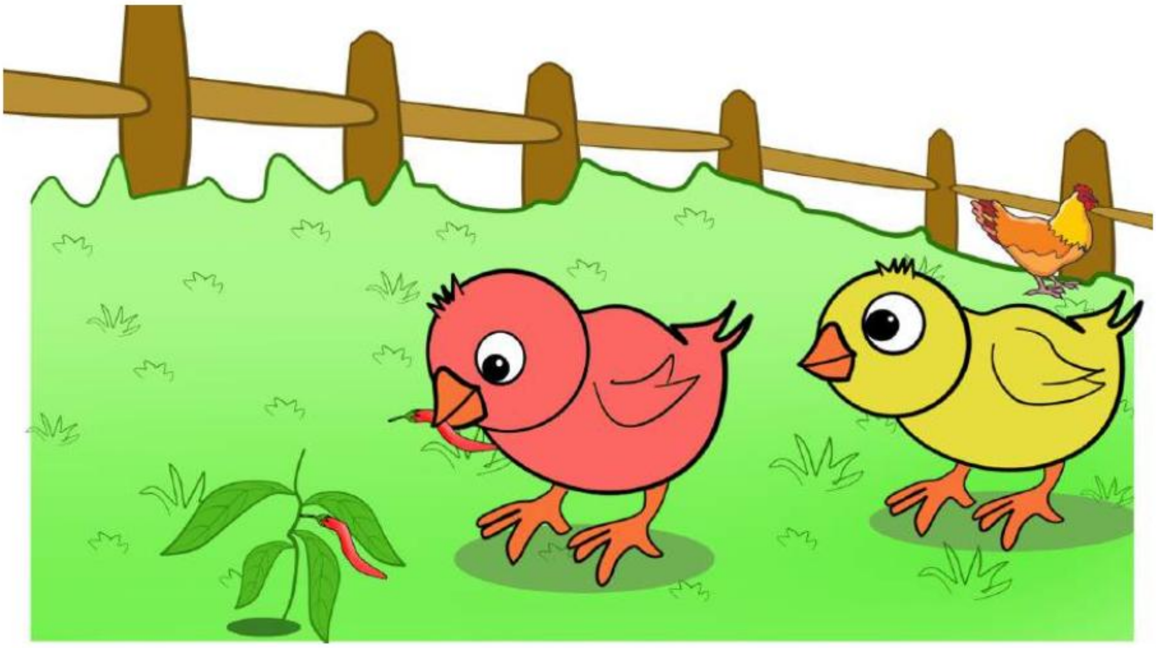

लालू ने झट गुड़ खाया। उसके मुँह की जलन ठीक हो गई।
मुर्गी ने लालू और पीलू को लिपटा लिया।

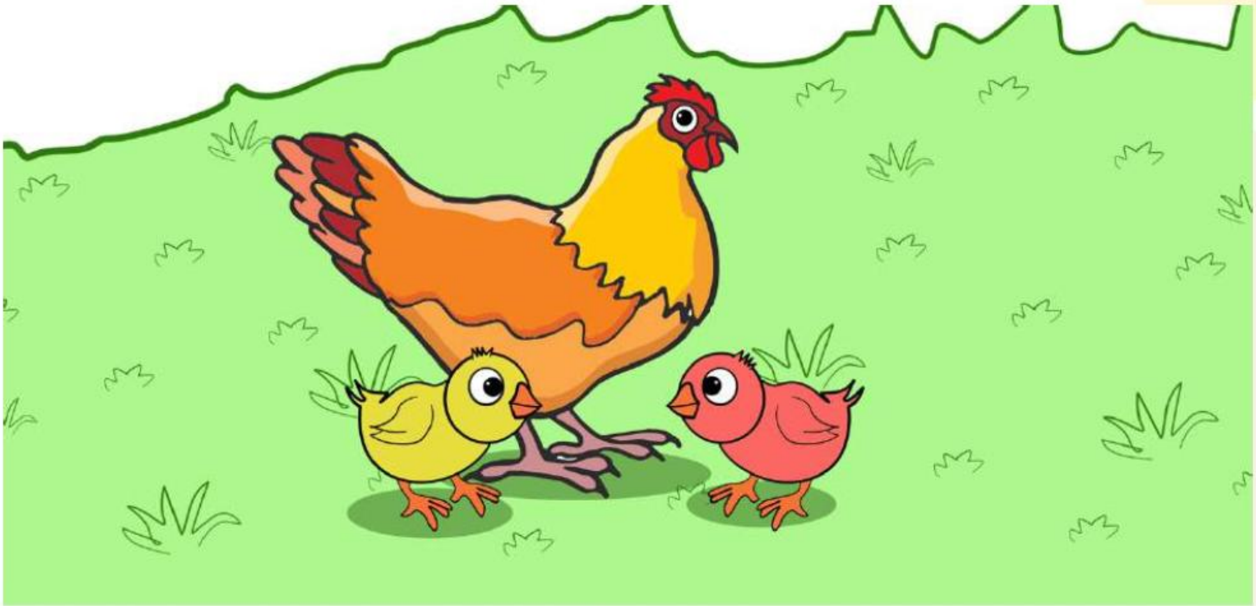

गतिविधि

1. क्या होता ?

1. अगर लालू और पीलू को सफेद और हरी चीजें पसंद होतीं तो क्या उनके नाम अलग–अलग होते ?

....

2. फिर वे क्या–क्या खाते ?

....

....

....

....

3. लाल मिर्च खाते ही लालू की जीभ जल गई। तुम्हारी जीभ क्या–क्या खाने–पीने से जलती है ?

....

....

4. जीभ जलने पर तुम क्या करते हो ?

....

....

....

2. लय एवं अभिनय के साथ गाओ –

झूला

अम्मा आज लगा दे झूला,
इस झूले पर मैं झूलूँगा।
इस पर चढ़कर, ऊपर बढ़कर,
आसमान को मैं छू लूँगा।

झूला झूल रही है डाली,
झूल रहा है पत्ता–पत्ता।
इस झूले पर बड़ा मजा है,
चल दिल्ली, ले चल कलकत्ता।

झूल रही नीचे की धरती,

उड़ चल, उड़ चल,

उड़ चल, उड़ चल,

बरस रहा है रिमझिम, रिमझिम,

उड़कर मैं लूटूँ दल–बादल।

3. बताओ, इनमें किन चीजों पर तुम झूले की तरह झूल सकते हो ?

टायर

फाटक

झाड़ू

दरी

डाली

मेज़

पैर वाला झूला

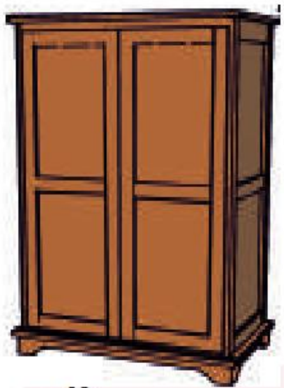

अलमारी

4. अपने अनुभव बताओ –

मुझे .... पर झूलने में मजा आता है।

मुझे .... पर झूलने में डर लगता है।

मुझे .... पर झूलने पर डाँट पड़ती है।

5. तुम इन झूलों पर भी झूले होंगे। इन झूलों को तुमने कहाँ–कहाँ देखा है?

मेला स्कूल पार्क

घर का आँगन बगीचा

....

....

....

....

....

झूले से बिल्ली को क्या–क्या दिख रहा होगा ?

6. झूलते समय तुम्हें क्या–क्या चीजे दिखाई देती है?

7. चित्रों को शब्दों से मिलाओ –

ठेला

झूला

पेड़

गठरी

8. खाली जगह भरो और फिर छुपने की इन जगहों पर बच्चों के चित्र बनाओ।

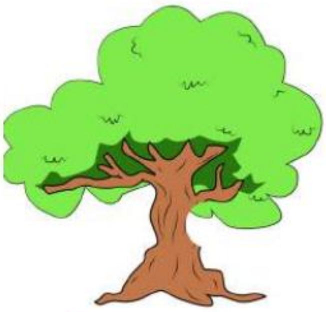

पेड़ के पीछे

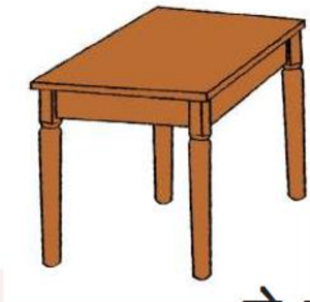

.... के नीचे

.... के नीचे

.... के पीछे

9. चित्र से वर्ण की पहचान –

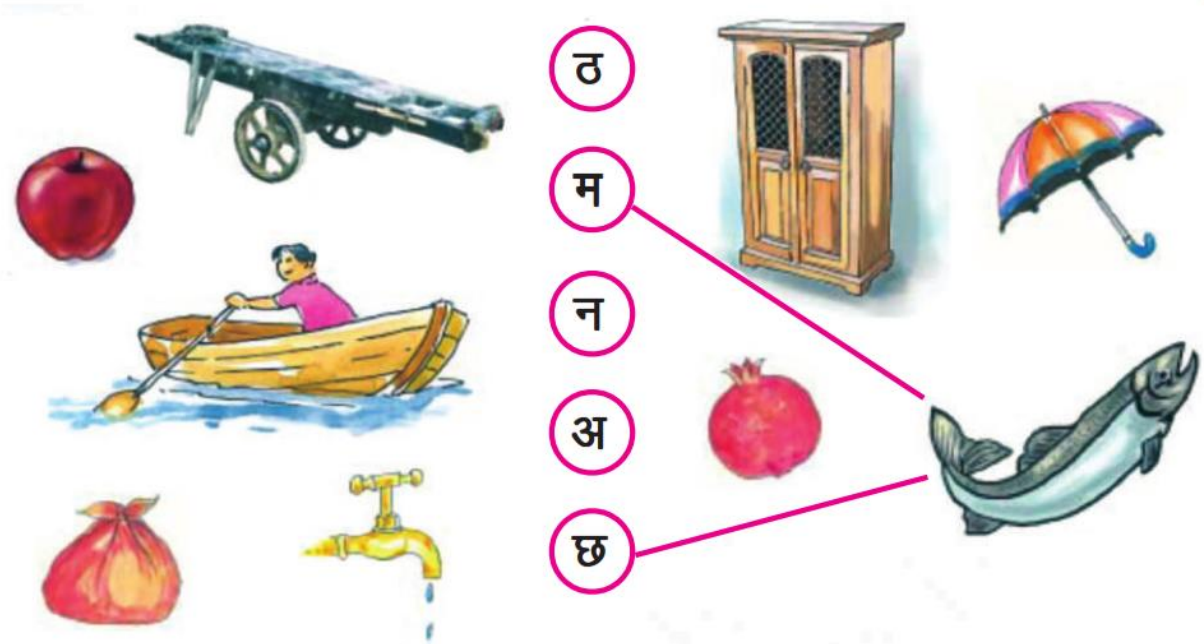

10. ऊपर बनी चीज़ों के नाम अक्षरों के नीचे लिखो जो उनमें आते हैं।

ठ	छ	म	अ	न
	मछली	मछली		

2E4Y94

यहाँ मछली दो बार लिखा गया है। क्या किसी और चीज का नाम भी तुमने दो बार लिखा है ?

....

पाठ–12

बंदर आया

2EDUAR

खाकर फल और भटा, टमाटर,
ऐनक लगाए निकला बंदर।
बैठा देखो एक ठठेरा,
ठक–ठक करता शाम सवेरा।।

गतिविधि

1. चित्र देखकर पढ़ो और समझो –

फल,टमाटर, भटा, ठठेरा, ऐनक, एक

,s

ऐनक

,s u d

,

1

एक

, d

B

ठठेरा

B Bsjk

Q

फल

Q y

Hk

भटा

Hk Vk

V

टमाटर

V ek V j

2. खोजो और गोल घेरा ◯ लगाओ –

(ए)	–	(ए)क	खाएगा	गए	एकता
(ऐ)	–	ऐसा	ऐनक	ऐरावत	ऐठन
(भ)	–	भवन	भटा	लाभ	नभ
(फ)	–	उफ	कफ	फल	उफन
(ट)	–	टप	पट	मटका	टमाटर
(ठ)	–	पाठ	ठक	बैठक	ऐठन

3 पढ़ो –

ट ठ	प फ	भ म	स ह	ए ऐ
अ आ	इ ई	उ ऊ	व श	द ध

4. मिलाओ –

फल	एक	भटा	ऐसा	टमाटर	ठठेरा
(ए)	(फ)	(ऐ)	(भ)	(ठ)	(ट)

5. शब्द को चित्र से मिलाओ –

टमाटर

फल

ठठेरा

भटा

6. बंदर बहुत भूखा है ,आओ देखें वह क्या–क्या खायेगा –

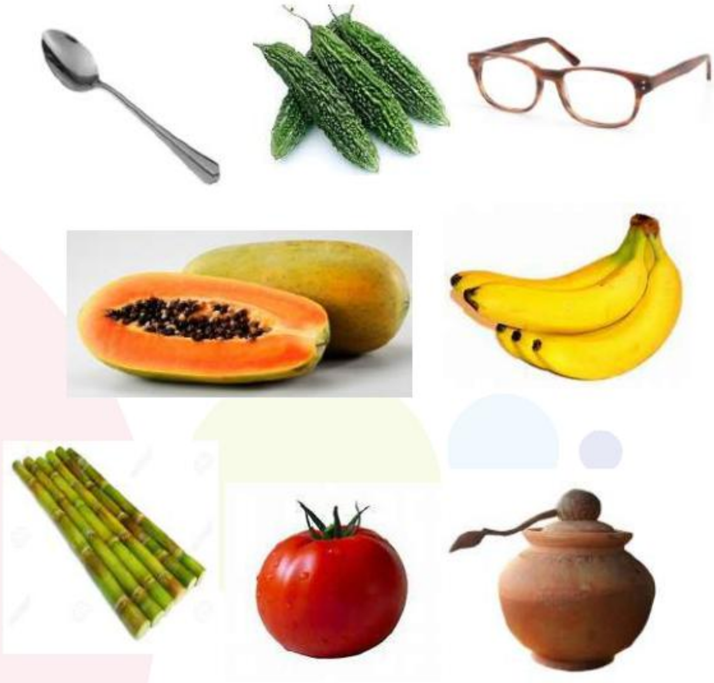

7. आओ कागज का कुत्ता बनाएँ –

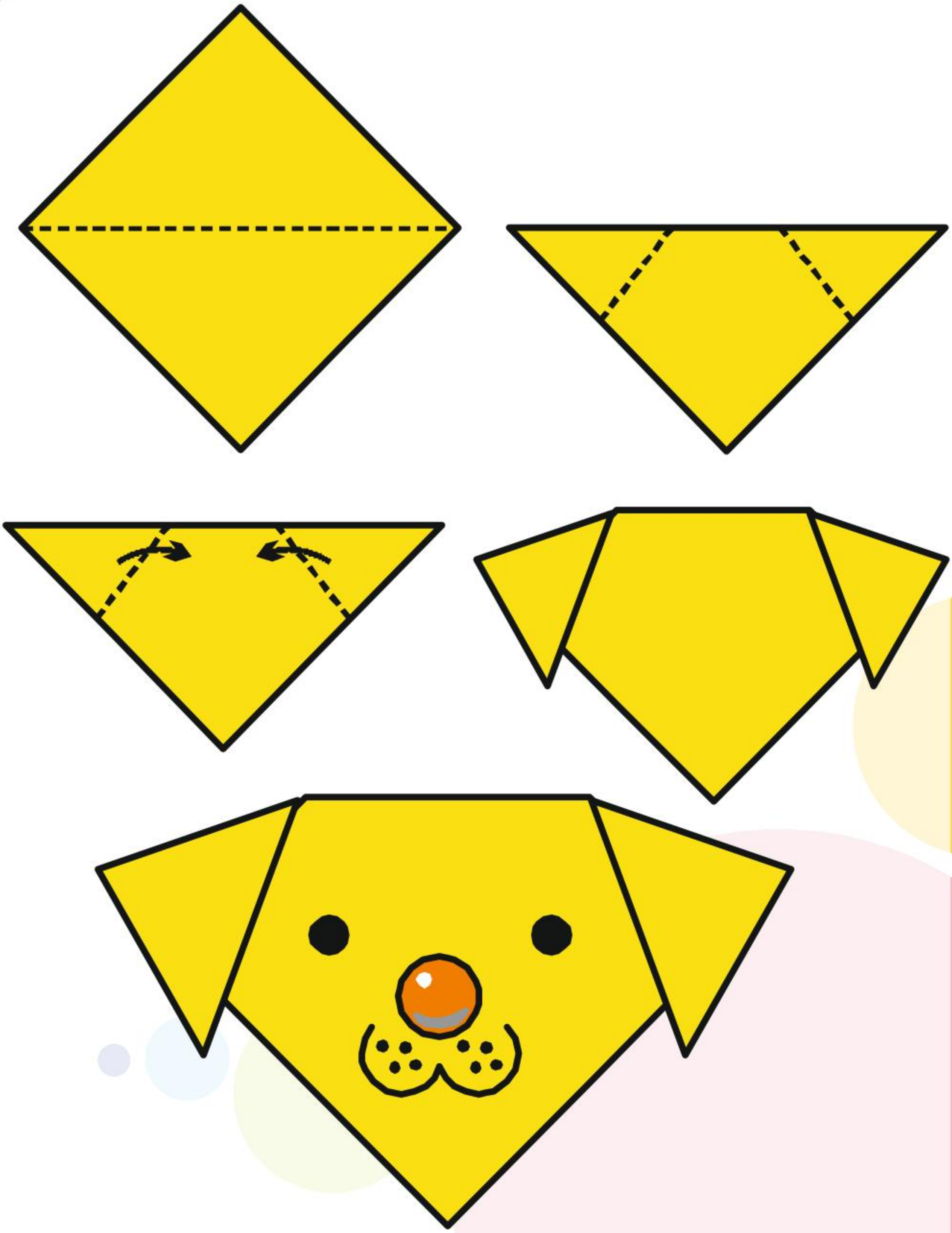

अँगूठे की छाप

पहचाना इन्हें ? ये तुम हो और तुम्हारा दोस्त। इनके नाम लिखो।

.... 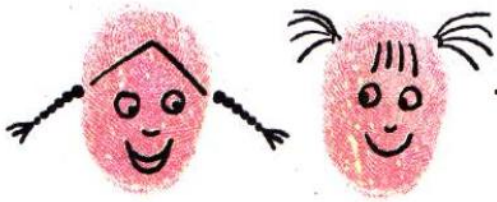 ....

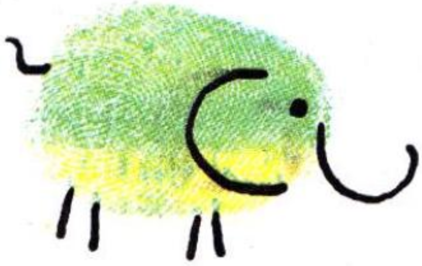

अँगूठे के अंदर
छिपा एक बंदर
उसका एक साथी
मोटा एक हाथी

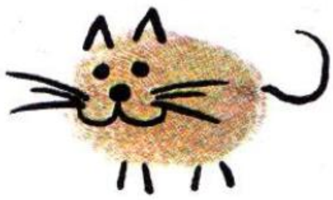

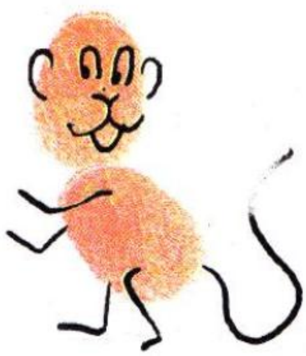

पहचानो, अँगूठे की इन छापों में
और क्या–क्या छिपा है ?

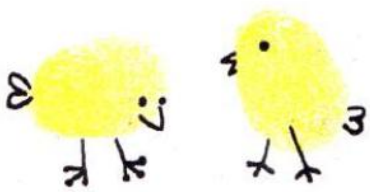

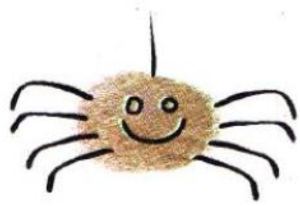

9. अब इन अँगूठों की छाप में तुम भी कुछ जोड़ो।

आठ

कठपुतली

गठरी

चिड़िया

अनार

2EHQCE

10. अपने अँगूठे की छाप से कुछ और बनाओ।

पाठ–13

मेला

मेले में झूला, झूले में हम।
जोर से झुलाओ, नहीं डरेंगे हम।
मेले में सरकस, देखेंगे हम।
खाएँगे मिठाई, घूमेंगे हम।

गतिविधि

1. चित्र देखकर पढ़ो और समझो –

सरकस

l j d l

l

' ` ' की मात्रा –

सेब

l s c

से

रथ

j Fk

j

j sy

रे

रेल

ठठेरा

B Bs jk

B

Bs yk

ठे

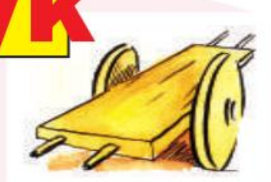

ठेला

2. इन शब्दों पर ' ` ' की मात्रा लगाकर पूरा करो –

सब	कला	रल	ठला
खत	खल	तल	सठ

3. चित्र देखकर पढ़ो –

' ै ' की मात्रा

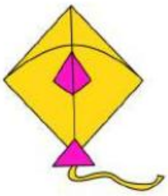

i ra x

पतंग

i

iSj

पैर

पै

c V u

बटन

c

cSy

बैल

बै

e V dk

मटका

e

eSuk

मैना

मै

4. पूरा करो –

पर बल मना पसा

5. ' ै ' की मात्रा लगाकर लिखो और पढ़ो –

कसा – कैसा बठा – ––––––

मना – –––– रना – ––––––

सर – –––– जसा– ––––––

6. पढ़ो और समझो –

मेला

①

②

3

नेहा, ठेले में जलेबी बन रही है।
दीदी, केला लेना है।
जलेबी और केला खरीदते हैं।

4

नेहा, मुझे कपड़े खरीदने हैं।
दीदी, जूता लेना है।
बेला ने कपड़े और नेहा ने भाई के लिए जूते खरीदे।

5

चलो अब घर चलते हैं।
सभी बस में बैठकर खुशी–खुशी घर जाते हैं।

7. चलो मेला चलें –

चीजें	तुम खरीदोगे	नहीं खरीदोगे
मोटर कार		
जलेबी		
गुड़िया		
गुब्बारा		
कपड़ा		
मोबाइल		
समोसा		
चप्पल		

पाठ–14

ओढ़नी

मेरी दादी बड़ी निराली,
हरदम चलती छतरी तान।
घर आँगन में घूमा करती,
शाल–ओढ़नी है पहचान।
धनुष–बाण, डमरू से खेले,
और छेडे मुरली की तान।

गतिविधि

1. चित्र देखकर पढ़ो और समझो –

ओढ़नी, औरत, डमरू, धनुष, घड़ी, छतरी

vk

ओढ़नी

vks <+ uh

vk

vkS j r

औरत

M

डमरू

M e :

/k

/k u q'k

धनुष

?k

घड़ी

?k Mh

N

N r jh

छतरी

2. दिए गए वर्णों के आधार पर शब्दों की पहचान करो –

ओ – ओखली, ओढ़नी, धागा, घर, ओला

औ – छतरी, औरत, घड़ी, औजार, औषधि

ड – धान, डगर, छाल, डफली, डमरू

घ – औलाद, घर, घना, मछली, अधर

2NF5BH

पाठ–15

खिलौनेवाला

चलो खिलौने खेलें हम,
हाथी, भालू ले लें हम।
चाबी वाले कौआ, मोर,
फुदक रहे हैं चारों ओर।

मोनू ने आवाज लगाई,
चौकी–बेलन ले लो भाई।
जोकर वाली टोपी ले लो,
खूब मजे से तुम सब खेलो।

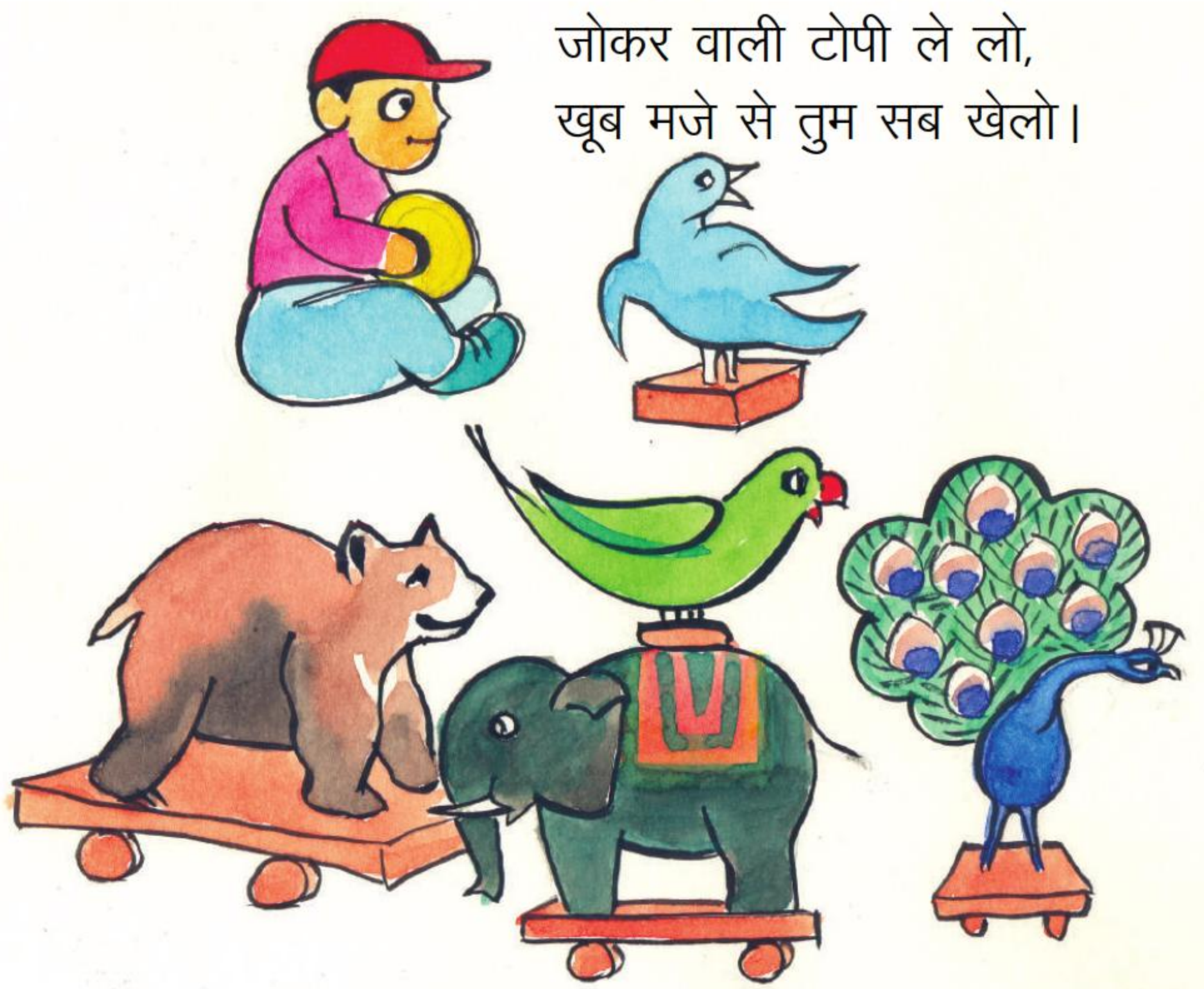

गतिविधि

1. चित्र देखकर पढ़ो और समझो –

मटर

e V j

e

'ो' की मात्रा –

मोर

elsj

els

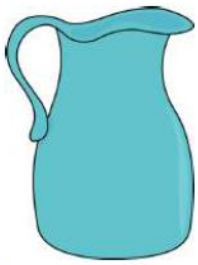

जग

t x

t

जोकर

t lsd j

t ls

चना

p uk

p

'ौ' की मात्रा –

चौकी

plSdh

plS

कछुआ

d Nqvk

d

कौआ

dkSvk

dkS

2. चित्रो के नाम का शुरू अक्षर लिखो–

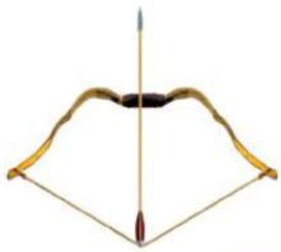

______ ______ ______ ______ ______

3. शब्द बनाकर लिखो और पढ़ो –

eks
Hks
'kks

j

____
____
____

pkS
HkS   dh ______________
ykS

4. चित्रों का नाम लिखकर वाक्य पूरा करो–

लड़की का छाता

__________ का __________

__________ का __________

__________ का __________

__________ का __________

5. कौन किससे बना –

लकड़ी	कागज	प्लास्टिक/रबर

6. खाली जगह पर सही वर्ण लिखो–

—e	e—dk	xe—
—uh	xk—j	va—j
Nr —	—e:	gk—
e—j	fx—l	uk—; y
—yk	—yw	/kuq—

निर्देश :–शिक्षक/शिक्षिकाएँ बच्चों के परिवेश में खेले जाने वाले खेल और खिलौनों के विषय पर चर्चा करें और स्कूल में खेलने का मौका दें।

पाठ–16

झंडा

ये है अपना झंडा,
कहते इसे तिरंगा।

झंडा देश की शान है,
हम सबकी पहचान है।

हम सब हँसते–हँसते,
इसको करें नमस्ते।

गतिविधि

1. चित्र देखकर पढ़ो और समझो –

अंगूर, झंडा, यज्ञ, थन, षटकोण, ढपली

अं

अंगूर vaxwj

झ

>aMk झंडा

य

यज्ञ ; K

थ

Fku थन

ष

षटकोण

'kVdks.k

ढ

ढपली

<iyh

2. शब्द का चित्र से मिलान करो –

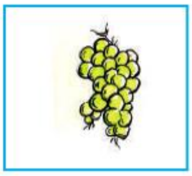

- थन
- यज्ञ
- अंगूर
- षटकोण
- झंडा
- ढपली

3. बोलकर पढ़ो –

य	थ	ढ	अं	ष	ज्ञ
ष	झ	अं	य	थ	द
य	प	ध	थ	ड	ढ
अ	अं	ष	ब	ज्ञ	इ

4. संजना स्कूल से अपने घर जा रही है बताओ उसे रास्ते में क्या क्या दिखा–

बच्चों को नाम पढ़ने में मदद करें।

5. तिरंगे झण्डे के तीन रंग हैं–

केसारिया सफेद हरा

नीचे बनी आकृति में तिरंगे के अलग अलग रंग भरकर उनके रंगो के नाम लिखो।

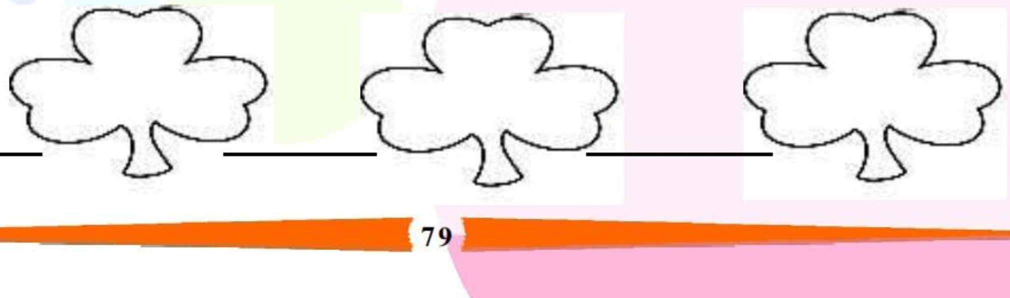

______ ______ ______

6. कैसे–कैसे रंग –

तोता

स्लेट

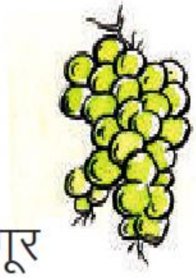
अंगूर

सेब

टमाटर

लड्डू

भटा

खीरा

भाजी

बच्चों को विभिन्न रंगो के नीचे उन रंगो वाली चीजों के नाम लिखने को कहें।

7. चित्र पहचानकर नाम लिखो –

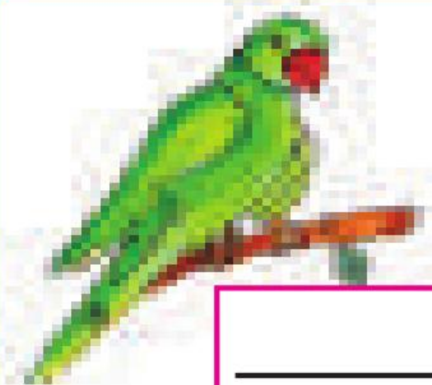

2PGNI3

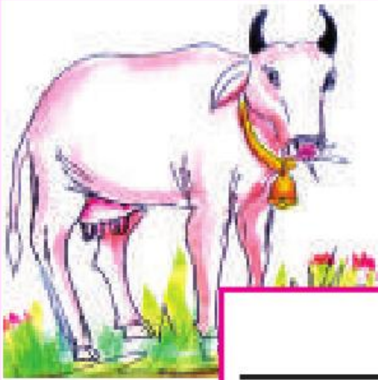

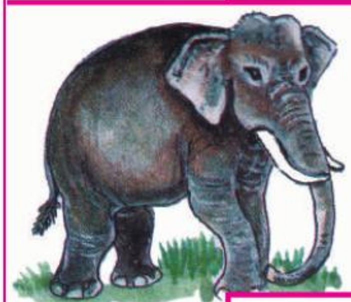

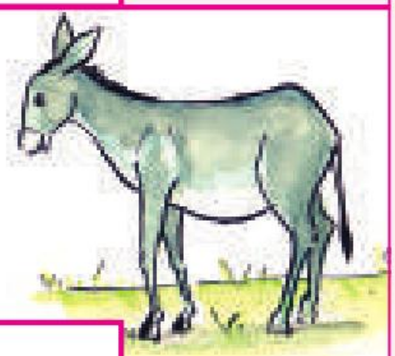

पाठ–17

बंदर और गिलहरी

एक बंदर पेड़ पर बैठा था। बंदर की पूँछ बहुत लंबी थी। इतनी लंबी थी कि जमीन तक लटक रही थी। एक गिलहरी जमीन पर उछल–कूद कर रही थी।

अचानक उसे पूँछ दिखाई दी। उसने सोचा–यह झूला कहाँ से आ गया ? थोड़ी देर पहले तो नहीं था। वह पूँछ पर चढ़कर झूलने लगी। बंदर को गुदगुदी हुई। उसने नीचे देखा। वह हँस कर बोला–बहन गिलहरी ! यह क्या कर रही हो ? मुझे गुदगुदी हो रही है। गिलहरी चौंकी–बंदर भैया, यह तुम हो? मैं तो तुम्हारी पूँछ को झूला समझकर झूल रही थी। बड़ा मजा आ रहा था।

और गिलहरी हँसती हुई पेड़ की डाली पर चढ़ गई।

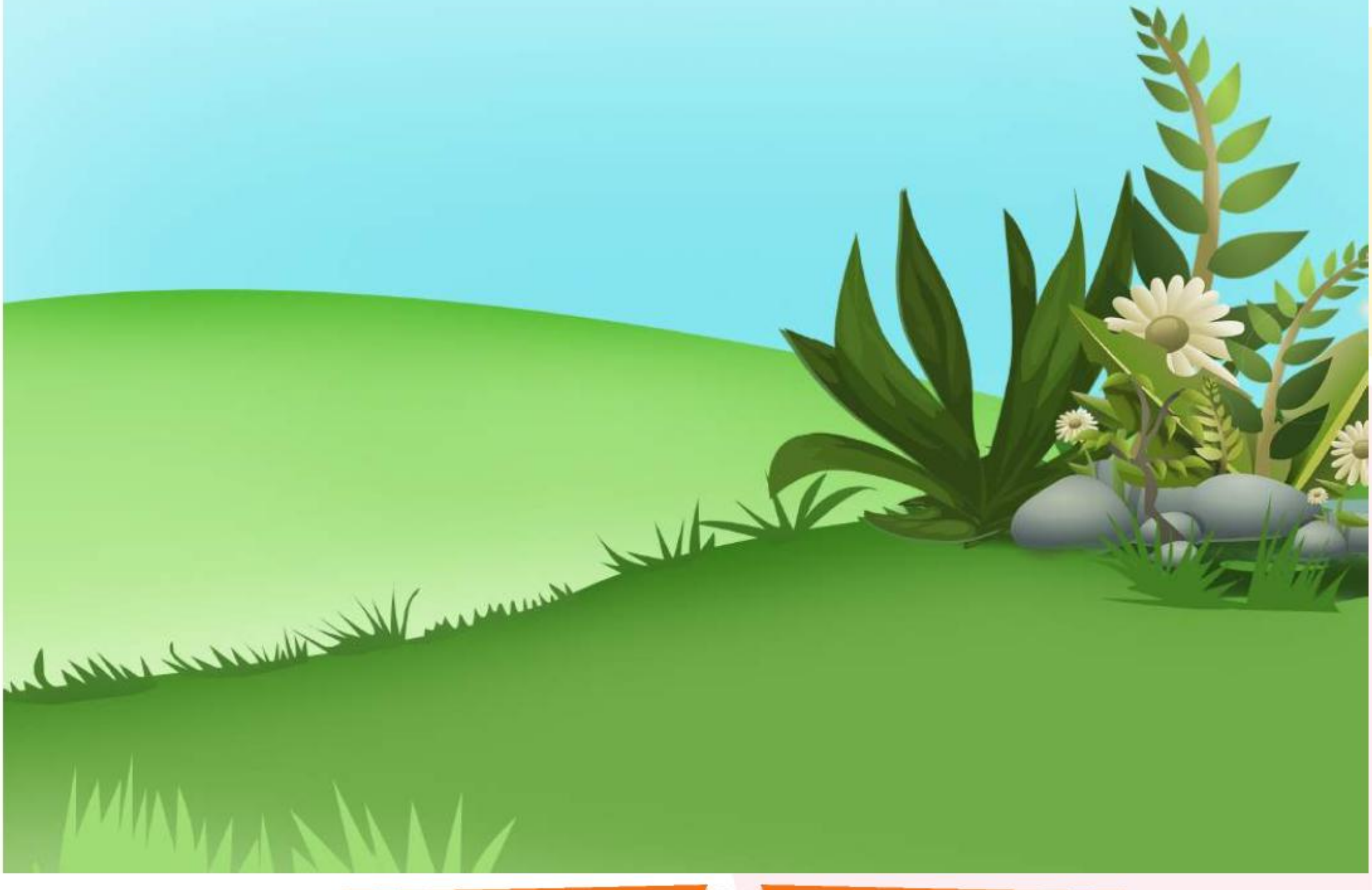

गप्पें

बंदर की पूँछ लंबी थी, इतनी लंबी थी,
इतनी लंबी जैसे सड़क
चूहे की मूँछ इतनी घनी थी, इतनी घनी थी,
इतनी घनी थी जैसे ....।

भालू इतना मोटा था, इतना मोटा था,
इतना मोटा था जैसे ....।
ऊँट इतना ऊँचा था, इतना ऊँचा था,
इतना ऊँचा था जैसे ....।

चुहिया इतनी छोटी थी, इतनी छोटी थी,
इतनी छोटी थी जैसे ....।
कुत्ते की पूँछे इतनी टेढ़ी थी, इतनी टेढ़ी थी,
इतनी टेढ़ी थी जैसे ....।

कोयल की .... इतनी ....थी...................................
....................जैसे ....।

गतिविधि

1. बच्चों से बातचीत करें –

1. तुम बहुत सारी चीजें खाते हो, जैसे दूध–भात, संतरा, केला। इनके अलावा तुम और क्या–क्या खाते हो ?

....

....

....

2. गिलहरी क्या –क्या खाती है ?

....

....

....

3. बंदर क्या–क्या खाता है ?

....

....

....

2. जानवरों में कौन–कौन उछल–कूद करता होगा?

2PZFLD

गाय	शेर	गधा	गिलहरी
हाथी	खरगोश	बिल्ली	चूहा
कुत्ता	ऊँट		

उछल–कूद करते हैं	उछल–कूद नहीं करते
....	....
....	....
....	....
....	....

3. तुमने इन जानवरों को कहाँ देखा है ? इन जानवरों को तुम्हारी भाषा में क्या कहते हैं ?

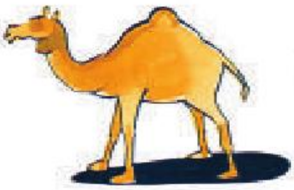
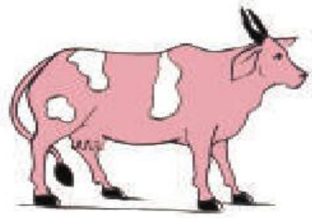

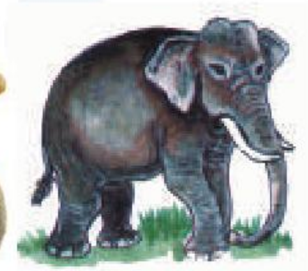

पाठ–18

2Q9BN1

हलीम चला चाँद पर

चलते–चलते अँधेरा हो गया।
हलीम को डर लगने लगा।
उसको तो चाँद तक का
रास्ता पता नहीं था।

थोड़ी देर में उसने
चाँद देखा और
वह खुश हो गया।

चाँद पर हलीम को
खूब सारे गढ्ढे दिखे
और बड़े–बड़े पहाड़
भी। लेकिन वहाँ कोई
पेड़ या जानवर नहीं
थे। लोग भी नहीं।

हलीम ने सोचा–ये
भी कोई जगह है!
चलो वापिस घर चलें।
वह रॉकेट में बैठकर
घर लौट आया।

गतिविधि

1. बच्चों से बातचीत करो –

1. हलीम को रास्ते में क्या–क्या दिखा होगा ?

....

....

....

....

2. हलीम चाँद पर जाना चाहता था। तुम कहाँ जाना चाहोगे और कैसे जाओगे ?

कहाँ	कैसे

3. हलीम को अँधेरे से डर लगता था।
तुम्हें कब–कब डर लगता है ?

....

....

4. फिर तुम क्या करते हो ?

2QI7PN

....

....

2. चाँद और सूरज का चित्र बनाओ–

2QS3RB

पाठ–19

दौड़

आज दौड़ का दिन था।

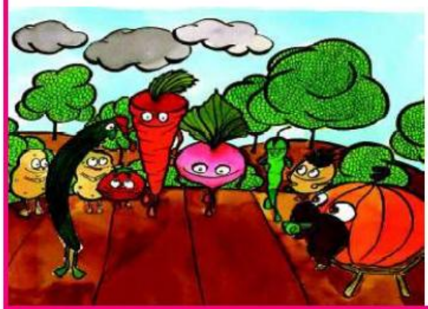

1

मूली, गाजर और मिरची दौड़ने को तैयार थे।

2

लौकी को देखकर सभी मजाक करने लगे।

3

लौकी बोली–''मैं ही जीतूँगी।'' मुनगा ने कहा – ''फैसला तो मुझे ही करना है।''

4

तभी तेज बारिश हुई। सभी कीचड़ में फिसले, गिरने लगें।

5

लौकी धीरे–धीरे आगे चली। वह दौड़ जीत गई।

6

गतिविधि

1. दौड़ में जिन सब्जियों ने भाग लिया उनके चित्रों को पहचानकर उनके नाम अपनी मातृभाषा में लिखो–

________	________	________	________
________	________	________	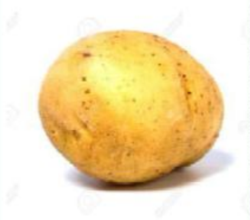 ________
________	________	________	________

2 लिखो –

क
छ
घ
ब   ड़ी
जो
पू

.... कड़ी ....

....

....

....

....

....

3 पढ़ो –

मकड़ी–ककड़ी–लकड़ी

हमने तीन चीज़ें देखीं,
दादा तीन चीज़ें देखीं।

एक डाल पर थी इक मकड़ी,
लकड़ी पर बैठी थी मकड़ी,
मकड़ी खा रही थी ककड़ी।

लकड़ी, मकड़ी ककड़ी,
मकड़ी, ककड़ी, लकड़ी,
ककड़ी, लकड़ी, मकड़ी।

हमने तीन चीज़ें देखीं,
दादा तीन चीज़ें देखीं।

एक खेत में थी कुछ बालू,
बालू पर बैठा था भालू,
भालू खा रहा था आलू।

बालू, भालू, आलू,
भालू, आलू, बालू,
आलू, बालू, भालू।

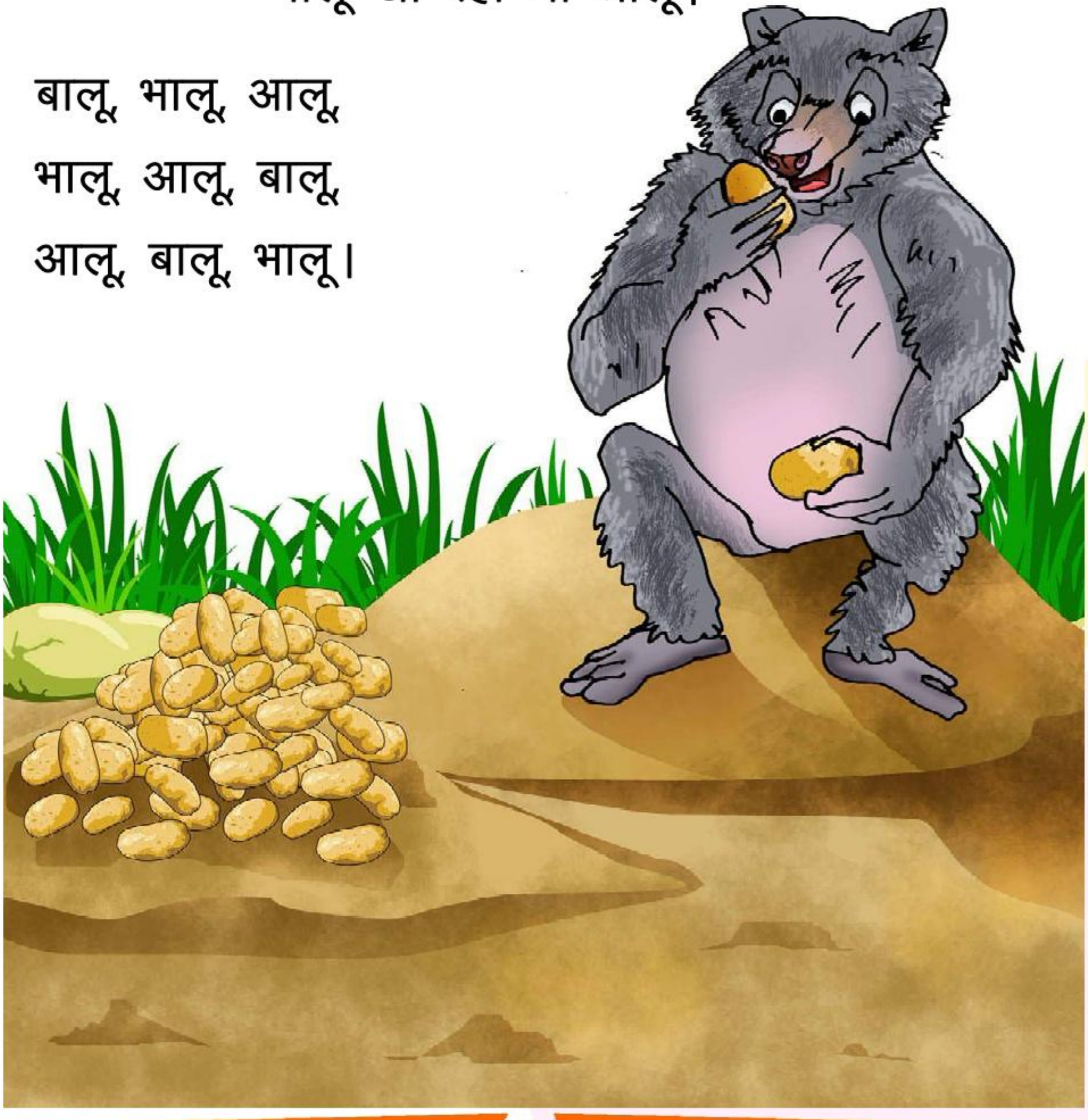

2RAUUL

पाठ–20

इनको भी जानो –

श

शलजम

श ल ज म

क्ष

क्षत्रिय

क्ष त्रि य

त्र

पत्र

प त्र

ज्ञ

ज्ञानी

ज्ञा नी

ड़

जड़

ज ड़

ढ़

गढ़

ग ढ़

ऋ

ऋषि

ऋ षि

श्र

श्रमिक

श्र मि क

ण

बा ण

ङ

अः

ञ

गतिविधि

1. पढ़ो और लिखो –

शलजम	क्षत्रिय	पत्र
____	___	___
ज्ञानी	जड़	गढ़
___	___	___
बाण	ऋषि	श्रमिक
___	___	____

2. पहचानो और गोल घेरा ◯ लगाओ –

(श)	(श) लजम	(श) हद	तला (श)	कु (श) ल
क्ष	क्षत्रिय	अक्षर	शिक्षक	कक्ष
त्र	पत्र	मित्र	छात्र	चित्र
ज्ञ	ज्ञानी	यज्ञ	अज्ञान	विज्ञान
ड़	जड़	जड़ना	लड़की	गुड़िया
ढ़	गढ़	रायगढ़	पढ़ना	बुढ़िया

3. पढ़ो –

श	क्ष	त्र	ज्ञ	ड़	ढ़
त्र	ढ़	श	ड़	क्ष	ज्ञ

4 ' ृ ' की मात्रा –

2RJQH9

वृ | क्ष

वृक्ष

गृ | ह

गृह

मृ | ग

मृग

कृषक

कृ | ष | क

5. पढ़ो –

1. कृषक फसल उगाता है।
2. बाग में वृक्ष लगे हैं।
3. वन में मृग चर रहे हैं।
4. रमा गृह में रहती है।
5. दूध अमृत के समान है।
6. मेरे पिता जी बड़े कृपालु हैं।

6. रास्ता खोजो –

चूजों को उनकी माँ तक पहुँचाओ –

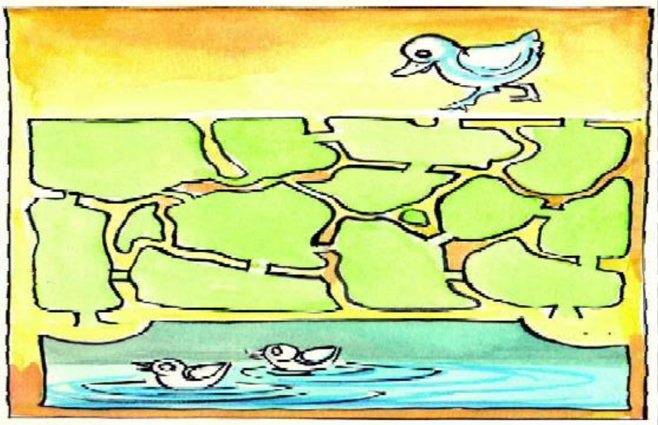

SCHOOL BUS
EMERGENCY DOOR

वर्णमाला

स्वर

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः	

व्यंजन

क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	
श	ष	स	ह	
	क्ष	त्र	ज्ञ	
	ड़	ढ़	श्र	

मात्राएँ

आ की मात्रा (ा)	– नाम,	चाचा,	चना
इ की मात्रा (ि)	– हिरण,	टिफिन,	कवि
ई की मात्रा (ी)	– चील,	कमीज,	मटकी
उ की मात्रा (ु)	– सुबह,	धनुष,	मधु
ऊ की मात्रा (ू)	– फूल,	बबूल,	डमरू
ए की मात्रा (े)	– रेल,	रमेश,	केले
ऐ की मात्रा (ै)	– पैर,	खपरैल,	बैल
ओ की मात्रा (ो)	– ढोल,	खरगोश,चलो	
औ की मात्रा (ौ)	– चौखट,	तौल,	कौन
अं की मात्रा (ं)	– शंख,	पतंग,	बसंत
अः की मात्रा (ाः)	– प्रातः,	अतः,	पुनः
ऋ की मात्रा (ृ)	– गृह,	मृग,	कृषक

योग्यता विस्तार

‘र्’ का उपयोग –

नर्स

न	र्	स

सर्प

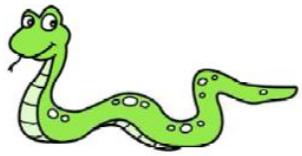

स	र्	प

पर्वत

प	र्	व	त

दर्पण

द	र्	प	ण

समझो –

यहाँ र् (हल् चिह्न के साथ) का अर्थ आधा ‘र’ है।

पढ़ो –

कर्म	मुर्गा	बर्फ	पूर्ण	कर्ण
चूर्ण	कर्म	वर्षा	कवर्धा	बर्तन
दुर्ग	चर्म	नर्म	गर्म	तर्क

वाक्यों में प्रयोग –

1. मेरा तकिया गर्म है।
2. अपना कार्य पूर्ण करो।
3. मिर्च तीखी है।
4. मार्ग साफ रखो।

टीप – पढ़ते समय छायांकित डिब्बे | न | र | वर्णों का उच्चारण एक साथ करना है।

'् व ‸ ' का उपयोग –

चक्र

च	क्र

ट्रक

ट्र	क

ब्रश

ब्र	श

ड्रम

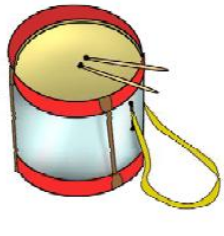

ड्र	म

फ्राक

फ्रा	क

ट्रेन

ट्रे	न

पढ़ो –

भ्रम	क्रम	उम्र	प्रेम	श्रेय
ब्रेड	वज्र	प्राण	ताम्र	ग्राम

पढ़ो –

1. ट्रक खड़ा है।
3. मैं ब्रश करता हूँ।
4. तुम्हारी उम्र कितनी है।
6. यह फ्राक सुंदर है।

समझो –

वर्ण के नीचे हल् चिह्न (्) लगने पर वर्ण अर्धाक्षर बन जाता है।

ट्र –	ट्	र	क्र –	क्	र
ब्र –	ब्	र	फ्रा –	फ्	रा
ट्रे –	ट्	रे	ड्र –	ड्	र

संयुक्ताक्षर	द्वित्व
रिक्शा रि क् शा	कुत्ता कु त् ता
मक्खी म क् खी	बिल्ली बि ल् ली
डॉक्टर डॉ क् ट र	गुब्बारा गु ब् बा रा

टीप – पढ़ते समय छायांकित डिब्बे रि क् वर्णों का उच्चारण एक साथ करना है।

परिशिष्ट

विभिन्न भाषाओं में शब्दावली

हिन्दी	छत्तीसगढ़ी	सरगुजिहा	कुँडुख	हल्बी	गोंडी (कांकेर)	गोंडी (दन्तेवाड़ा)
कौआ	कउँवा	कउंवा	कउवां	कावरा	कर्रवाल	काकड
तोता	सुआ, मिट्ठू	सूगा	सुगा	रूपु	हिड़	किरयाड
कबूतर	परेवा	परेंवा	पेरवां	परेवाँ, परेयाँ	पारेवा	बोड़े
उल्लू	धुधुवा, घर खुसरा	खूसर	पेच्चा	कुरवाँ	कुरवाल	कुंज
कोयल	कोइली	कोयली	कुहू	कोयली	कोवल	कोवल
गौरैया	बाम्हन चिरई	गोरेला	चोरो	चटेया	कोड़का	विज्जा पिट्टे
मुर्गा	कुकरा	कुकरा	कोकरो	कुकड़ा	कोरई	गोगोड़
मोर	मँजूर	मंजूर	मिंजुर	मंजुर	मल्ल	मलन
बिल्ली	बिलई	बिलाई	बेरखा	बिलइ	बीलाय	पुसाल
कुत्ता	कुकुर	कुकुर	अल्ला	कुकुर	नय	नय
घोड़ा	घोड़ा	घोड़ा	घोड़ो	घोड़ा	कोडा	गुराम
बकरी	छेरी, बोकरी	छेरी	एड़ा	छेरी	एट	मेका
भैंस	भंइसी	भांइस	भैंस	भईस	बैंस, बागर	बरे
गाय	गाय	गरू	गाय	गाय	टाली	गोड़
भेड़	भेंड़ी	भेड़ी	भेन्डो	मेण्डि	बेड़	मेंड़ा
हिरन	हइना, हइरना	हरिन	चितरा	चितर	चितराल	लूप
हाथी	हांथी	हाथी	हथी	हाति	हत्ती, ऐनी	एन
बंदर	बेंदरा	बन्दरा	बंदरा	बेन्दरा, माकड़	मूँज,	कोवे
बाघ	बघवा	बघवा	डुक्का	बाग	नीर्राल	डुवाल
सिंह	सेर	बघवा	लकड़ा	सिंग	बुर्रकाल	डूव
भालू	भलवा, भालू	भलूवा	मेढ़ोहोभलु	भालु	अड़ज, एड़ज	एड़ज
चीता	चितवा	चितवा	चीता	डुरका	डुवाल	कुकाल
केला	केरा	केरा	केड़ा	केरा	केड़	केड़ा
आम	आमा	आमा	टटखा	आमा	मर्रका	आंबा
सीताफल	छीताफल, सीताफल	सीताफल	बड़हर	छिता पाक, चिता पाक	सीता पंड	सीतापंडी
अंगूर	अंगुर	अंगूर	अंगुर	अंगूर	अंगुर पंड	अंगूर
पपीता	अरन पपइ	मेवा	पपाया	पोपई, पोपया	पोपोया	कोपे
संतरा	सांतरा	संतरा	संतरा	कमला पाक	संतेरा	कमला
तरबूज	कलिंदर	खरबुजा	तरबुज	तरबुज	कलींदर	तरबूज

विभिन्न भाषाओं में शब्दावली

हिन्दी	छत्तीसगढ़ी	सरगुजिहा	कुँडुख	हल्बी	गोंडी (कांकेर)	गोंडी (दन्तेवाड़ा)
आलू	आलू	आलू	आलू	आलू	अल्लु	आलू
बैंगन	भाँटा	भंटा	भेटांगों	बांगा	हापा	आपा
टमाटर	पताल, बंगाला	बिलोती	भिजरी,पताल	मांडो बांगा	बोंगेला	वंगा
मटर	बउटरा, मटर	बटुरा	मटर	बटरा चना	बडरा	मटर
भिंडी	रमकेलिया	रमकलिया	भिंडी	भेण्डि	बेंड	भिंडी
मूली	मुरई	मुराई	मुरई	मुरा	मूला, मोला	मूरा
बैल गाड़ी	बैइला गाड़ी	बैलगाड़ी	अड्डोगड़ी	बयलागाड़ी	बूडलगाडा	कोंदा गाड़ी
सायकल	सायकिल	साइकिल	सइकिल	साइकल	सायकेल	सायकिल
कार	कार, मोटर	कार (मोटर)	कार	कार	जीप	कार
रेलगाड़ी	रेलगाड़ी	रेल गाड़ी	रेल गड़ी	रेल गाड़ी	रेल	रेल गाड़ी
नाव	डोंगा	डोंगा	डोंगा	डोड्•गा	डोंगा	ओढ़ा
जहाज	जिहाज	जहाज	जहाज	जाहाज	जहेज	गुडा जहाज
हवाई जहाज	हवई जिहाज	हवाई जहाज	हवई जहाज	हवइ जहेज	वड़ जहेज	हवाई जहाज
गमला	गमला	गमला	गमला	गमेला, गमला	गमला	गमला
फूलों वाला	फूल वाला	फूलकर	पूंप गहि	फूल बिता	पुंगह बिताल	फुगारिनोर
लाओ	लान	लान	ओंदरआ	आना	ताट	तरा
घर–आँगन	घर अँगना	घर अंगना	चाली–बाली	घर दुआर	लोन रच्चा	लोन द्वार
महकाओ	महमहावव ममहावन	महकावा	महकारतआ	माहकावा	दैंगहाट	महकाकिम
नल	नल	नल	टूँटी	नल	बोरिंग सुआ	नल
पानी	पानी	पानी	अम्म	पानी	एर्र	एर
पौधों की	बिरवा के, पौधा के	पौउधा कर	खोप्पा ही	बुटा मन चो	पोदेला ना	कर्रेनिक
प्यास बुझाओ	पियास बुता	पियास बुझावा	ओन्का, बोंगतःआ	पियास बुतावा	एर्र ऊहाट	जीवादड़दाड़
मछली	मछरी	मछरी	इंजो	मछरी	मीन	किके
देखो	देखव	देखा	एरा	दखा	हूड़ाट	उड़ातु
आओ–आओ	आवै–आवौ	आवा–आवा	बरा–बरा	इया–इया	वाट–वाट	वराट वराट
रस्सी कूदो	रस्सी / डोरी कूदन,डोरी कूद	डोरा कूदा	एपती डेगआ	डोरी कूदा	डोर ते डेवाट (बहुवचन)	मोरस लगाट
नाचो	नाचव	नाचा	नला	नाचा	एन्दाट	एदांट
गाओ	गावव	गावा	पाड़ा	गाहा	पाटा ओम्ट, पार्राट	पराठ

विभिन्न भाषाओं में शब्दावली

हिन्दी	छत्तीसगढ़ी	सरगुजिहा	कुँड़ुख	हल्बी	गोंडी (कांकेर)	गोंडी (दन्तेवाड़ा)
आजा	आव	आजा	बरा	आव	वाय	वरा
मामा	ममा	ममा	ममू	मामा	मामा	मामा
बाजा	बाजा	बाजा	बजा	बाजा	बाजा नेकह्ना	डोल
नाच	नाचा	नाचा	नला	नाच	एन्दा	ऐंदा
खट्टी	अम्मट	अमठ	तिस्सा	टिरका	हवीयले, टीर्रका	पुल्ला
इमली	अमली	अमली	तेताली	अमली, तेतर	हित्ता	ईत्ता
मीठी	मीठ	मीठ	तीनना	मीठ	मिठास, मिरंगले	मिंगता
ईख	कुसियार	कुसियार	कतारी,कुसारी	डांडा	डांडा	गुड़डांडा
चरती	चरय	चरत	मिना	चरे	मैसोर, मैययता	मेयिता
बकरी	छेरी, बोकरी	छेरी	एड़ा	छेरी	एट	मेका
वन	बन, जंगल	जंगल	जंगल,तोड़ंग	रान, बन	कोट्टुम	गुफा
बीच	बीच	मझार	मझी	मंजार, मंजि	नड्डुम, नवडे	नड़मा
पपीता	अरन पपइ	मेवा	पपाया	पोपाइ, पोपाया	पोपोया	कोपे
खाएँ	खावन	खाए	मोखोत	खाओत	तिनिट	तिंता
हम	हमन	हमन	नाम	आमि	माट	मोम
तबला	तबला	तबला	तबला	तबला	तबला	तबला
खूब	बिक्कट	ढ़ेर	मुरुख	खुबे, जुगे	वल्लोक, सैयगो	नकेय
बजाएँ	बजाबो	बजाय	अस्सोत	बजाओत	नेकहीट	पेहसतोर
रंग–बिरंगी	रिंगी–चिंगी	रिकिम–रिकम रंग	रिंगी–चिंगी	रंगीन, रंग–रंग चो	रंग–रंगनंग, रंगी–रंगीना	रंग–रंगता
प्यारी	सुग्घर, मयारू	पियारी	चोन्हा	लाडरी	लाडो	नलोड़ा
तितली	तितली, तितरी	फिफली	पपला	फिलफिली	पीपिड़	गुगे
सबके	सब्बो, सबके	सबकर	ओरमरही	सबचो	सोपोतां	जमय
मन	मन	मन	जिया	मन	गोक, बिचर	मन
भाती है	बने लगथे	भाएल	बढ़िया लगदिन	भाये, भाए	वसयता	ओपिता
फूल	फूल	फूल	पूंप	फुल	पुंगार्र	फूंगार
रस	रस	रस	रासी	रस	जम्मा	रस
लेती है	लेथे	लेहेल	हुअदिन	धरु आय	एतयता	ओता
ललचाती है	ललचाथे	ललचायल	लुभा, बअदिन	लोबाये, लाभाये	लाले मायता, लालेच किययता	ललचाकिता
भालू	भलुवा	भलूवा	भलु, मेंड़हो	भालू	अड्ज, एड्ज	एड़ज
ऐनक	तसमा, चसमा	चसमा	चश्मा	चचमा	कोंडंग, चचमा	पिटेकोड़ा
लड़की	टूरी, नोनी	छौड़ी	कुके	लेकी	पेड, नूनी	पिकी
जंगल	बन	बन	जंगल, तोड़ंग	रान	कोटुम	गुफा, गुप्पा
घर	घर	घर	एड़पा	घर	लोन, कुरमा	लोन
कपड़ा	ओनहा	ओढ़ना	किचरी	कपड़ा, फटइ	गेतिल	गिसिड़
आँख	आँखी	आँएख	खन्न	आँइख	कोन्डा	कोडर
देखना	देखई	ताकना	एरना	दखतोर	हूड़ाना	उड़नेद
अचंभा	अचम्भो	अचम्हों	अचरज	अचकचे		
अनोखा	लोखन के	अजब	गजब	एकट, सोबले, गड़हेन		